राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 10 अगस्त 2023 वर्ष–6,अंक–200 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'भारत छोड़ो आंदोलन' की बरसी पर हिरासत में लिए गए महात्मा गांधी के परपोते तुषार

मुंबई। महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को मुंबई में हिरासत मे लिया गया है। उन्होंने ट्वीट करके खुद इस बात की पुष्टि की है। उनका दावा है कि वह भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी मनाने के लिए निकले थे लेकिन सांता क्रूज पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। तुषार गांधी ने ट्विटर पर लिखा, आजाद भारत के इतिहास में पहली बार मुझे हिरासत में लिया गया है। मैं 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी मनाने के लिए घर से बाहर निकला था और सांता क्रूज पुलिस स्टेशन में डिटेन कर लिया गया। मुझे अपने दादा-दादी महात्मा गांधी और बा पर गर्व है जिन्हें इसी ऐतिहासिक तारीख पर अंग्रेजों ने हिरासत में लिया था।

जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट को आगामी पांच सितंबर तक बढ़ाया

जयपुर। राजस्थान में सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके प्रति लोगों को जागरूक करने तथा उनका वास्तविक लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए शुरू की गई जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट को आगामी पांच सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा कि जनता की उत्सुकतापूर्ण भागीदारी, रुचि एवं उत्साह के दृष्टिगत जनता की भावना के सम्मान में जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट को पांच सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। गहलोत ने कहा आप सभी इस मौके का लाभ लेते हुए रचनात्मक वीडियो बनाएं और रोज़ आकर्षक इनाम पाएं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को जन हितैषी योजनाओं की संपूर्ण जानकारी देने तथा योजनाओं का वास्तविक लाभ आमजन को सम्मानपूर्वक सुनिश्चित रूप से प्रदान करने के लिए गत सात जुलाई से छह अगस्त तक सोशल मीडिया पर ऑनलाइन वीडियो प्रतियोगिता 'जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट' आयोजित की गई।

आज भारत एक स्वर में कह रहा...

Quit India Movement को याद करते हुए पीएम मोदी का विपक्षी दलों पर प्रहार

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने वाले वीरों को याद किया है। भारत छोड़ो आंदोलन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एक ट्वीट किया है। ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। आज भारत एक स्वर में कह रहा है भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। राजवंश भारत छोड़ो। तुष्टीकरण भारत छोड़ो।

वंशवाद के जरिए विपक्ष को घेरा

वंशवाद भारत छोड़ो नारे के जरिए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा है। दरअसल भारतीय जनता पार्टी हमेशा विपक्षी दलों पर वंशवाद का आरोप लगाती है। पीएम मोदी ने कई बार अपने चुनावी रैलियों में देश की जनता को भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दलों से

दूरियां बनाने की बात कही है।

आंदोलन ने हिला दी थी ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें

भारत की आजादी के लिए 9 अगस्त 1942 का दिन काफी महत्वपूर्ण है। गांधी जी के आह्वान पर देशभर में भारत छोड़ो आंदोलन

ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने में प्रमुख भूमिका निभाई। आज भारत एक स्वर में कह रहा है भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। राजवंश भारत छोड़ो। तुष्टीकरण भारत छोड़ो।

का बिगुल बज गया था। इस आंदोलन में हर उम्र वर्ग के लोग शामिल हुए। इस आंदोलन में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। भारत छोड़ो आंदोलन को अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। इस आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें हिलाकर रख दी थीं।

उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर गौरीकुंड में मलवे में दबकर दो बच्चों की मौत

रुद्रप्रयाग/देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में बुधवार सुबह अतिवृष्टि और भूस्खलन के कारण आए मलवे में दबकर झोंपड़ी में सो रहे दो बच्चों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दोनों बच्चे नेपाल के निवासी थे।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि गौरीकुंड गांव में हेलीपैड से आगे एक नेपाली परिवार खेत से आए मलवा की चपेट में आ गया और प्रशासन को तीन बच्चों के दबाने की सूचना प्राप्त हुई थी। इस घटना की जानकारी मिलने पर राहत एवं बचाव टीम मौके पर पहुंची एक बच्ची को सकुशल निकाला तथा दो अन्य बच्चों को चिकित्सालय गौरीकुंड पहुंचाया गया है।

उन्होंने बताया कि इस घटना में तीन ही बच्चों के दबने की सूचना थी, जिसमें बड़ी बच्ची स्वीटी (8) , छोटी लड़की पिंकी (5) तथा एक छोटा बच्चा, जो मलवे में दबे थे। इन सभी को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां स्वीटी का इलाज चल रहा है और उसकी स्थिति ठीक है। वहीं दो अन्य बच्चों को चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। बच्चों का पिता सत्यराज अपने गांव नेपाल जा रखा है, जबकि माता जानकी बच्चों के साथ ही डेरे में सो रही थी। जानकी मलवे आने के बाद डेरे से बाहर सकुशल निकल आई थी, जबकि बच्चे मलबे में दबे रह गए थे।

नासिर और जुनैद का बदला लेने राजस्थान से भी आए दंगाई, नूंह में जमकर आग लगाई

नूंह। 31 जुलाई को नूंह में हुई हिंसा के पीछे भले ही पुलिस अभी तक किसी 'मास्टरमाइंड' की तलाश नहीं कर पाई है, लेकिन यह तो तय है कि दंगाई पहले से इसकी तैयारी में थे। नूंह में आग लगाने वाले सिर्फ स्थानीय लोग नहीं थे बल्कि बाहर से भी आए थे। राजस्थान से भी बड़ी संख्या में दंगाई नूंह पहुंचे थे और जमकर उपद्रव मचाया। बताया जा रहा है कि हिंसा में शामिल रहे राजस्थान के ये आरोपी नासिर और जुनैद की हत्या का बदला लेने के लिए आए थे। इनका मानना था कि कथित तौर पर नासिर और जुनैद की हत्या करने वाले गौरक्षक आरोपियों पर पुलिस ने पर्याप्त ऐक्शन नहीं लिया। राजस्थान के भरतपुर और अलवर से आकर हिंसा करने वाले करीब 20 संदिग्धों को पुलिस अब तक गिरफ्तार कर चुकी है जबकि करीब 50 की तलाश चल रही है। चार आरोपी घाटमीका के रहने वाले हैं, जोकि नासिर और जुनैद का गांव है। आरोपियों ने पुलिस के सामने कबूल किया है कि बदला लेने के लिए वे नूंह आए थे। वे मोनू मानेसर समेत अन्य गौरक्षकों से वह नासिर और जुनैद की हत्या का बदला लेना चाहते थे। मोनू मानेसर के यात्रा में शामिल होने के ऐलान और दोनों तरफ से सोशल मीडिया पर दी जा रही चुनौतियों के बीच ये आरोपी नूंह पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक, एक आरोपी ने पुलिस के सामने कहा कि घटना के कई महीने बाद भी मोनू मानेसर पकड़ा नहीं गया है। कुछ दिन तक अंडरग्राउंड रहने के बाद वह लगातार हम लोगों को चिढ़ा रहा था। सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करके चुनौती दी जा रही थी। यात्रा में शामिल होने का ऐलान किया। हमें यह बदले का मौका दिखा और हम आगे बढ़ गए। सूत्रों ने बताया कि आरोपियों ने बदला लेने के लिए एक वॉट्सऐप ग्रुप का भी इस्तेमाल किया। नूंह के

एसपी नरेंद्र बिरजानिया ने कहा है कि पुलिस राजस्थान पुलिस से संपर्क में है और आरोपियों को पकड़ने के लिए मदद ले रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस सहयोग कर रही है और अब तक कई आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में भरतपुर के रहने वाले नासिर और जुनैद की हरियाणा के भिवानी में हत्या कर दी गई थी। 15 फरवरी को लापता हुए पशु व्यापारी नासिर और जुनैद की जली हुई लाश 16 फरवरी को बरामद की गई थी। दोनों को बोलेरो गाड़ी के साथ जला दिया गया था। हत्या का आरोप मोनू मानेसर समेत अन्य गौरक्षकों पर लगा। तब से ही भरतपुर, अलवर से लेकर हरियाणा के कुछ जिलों में तनाव बना हुआ था।

टमाटर के बाद रुलाएगा प्याज ? सप्लाई में कमी की वजह से बढ़ी चिंता

नई दिल्ली। टमाटर के बाद अब प्याज भी आपके घर का बजट बिगाड़ सकता है। देश की कई बड़ी मंडियों में प्याज की सप्लाई में कमी की वजह से जानकारों का कहना है कि कुछ दिन में प्याज की कीमतें भी आम आदमी को रुला सकती हैं। बता दें कि टमाटर की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही हैं। राजधानी दिल्ली में इन दिनों टमाटर 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। राहत वाली बात यह है कि टमाटर की स्टॉक कम होता है। वहीं सरकार के पास प्याज का लगभग ढाई लाख टन रिजर्व है जो कि समय आने पर खोला जा सकता है। दरअसल टमाटर और प्याज दोनों ही ऐसी सब्जियां हैं जो कि ज्यादार डिशेज बनाने में इस्तेमाल की जाती हैं। किसानों का कहना है कि स्टोर किए गए प्याज को भारी नुकसान हुआ है। एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी महाराष्ट्र 'की लसालगांव मंडी के सेक्रटरी ने

बताया कि जो प्याज का भंडार किया गया था वह आधा खराब हो चुका है। ऐसे में टमाटर की सप्लाई में कमी आ रही है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, सरकार प्याज की डिमांड और सप्लाई पर नजर रख रही है। प्याज ही नहीं पूरे देश में 22 जरूरी सामान पर सरकार की नजर है। चिंता की कोई बात नहीं है। सरकार के पास अच्छा भंडार है। समय आने पर सप्लाई बढ़ा दी जाएगी। प्याज के व्यापार से जुड़े लोगों का कहना हैकि इस बार सर्दियों की फसल में सालाना मांग की 70 फीसदी पैदावार हुई थी। पहले क्राइसिस इयर में सरकार को प्याज आयात करना पड़ता था। हालांकि बीते दो सालों से ऐसा नहीं करना पड़ रहा है। बता दें कि बीते चार महीने से प्याज की कीमतें स्थिर हैं। हालांकि अगस्त और सितंबर क्राइसिस वाला होता है। अक्टूबर में अब प्याज की अगली फसल आ जाएगी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस समय आम तौर पर प्याज ती कीमतें 25 रुपये प्रति किलो है। हालांकि बाजार की बात करें तो अच्छा प्याज 30 रुपये प्रति किलो में बिक रहा है। एक जानकार ने कहा कि इस बार फरवरी में तापमान बढ़ने की वजह से प्याज जल्दी तैयार हो गया था। हालांकि इसे रखने का समय कम हो गया। इस वजह से प्याज की कमी हो सकती है। प्याज की क्वालिटी की वजह से इसे फरवरी और मार्च में ही बेचने की होड़ लग गई। वैसे भी अगस्त के आखिरी में रबी का स्टॉक कम हो जाता है। ऐ में बाजार में महंगाई बढ़ दाती है। हालांकि खाने-पीने की अन्य चीजों की बढ़ती कीमतों के बीच अगर प्याज भी झटका देता है तो आम आदमी को दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

उत्तराखंड में पहाड़ से गिरे पत्थर, होटल ढहा

लैंडस्लाइड के चलते जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद, अमरनाथ यात्रा रोकी गई

नई दिल्ली। उत्तराखंड में बीते 24 घंटे से भारी बारिश के चलते कई जगह लैंडस्लाइड हुई। रामपुर में पहाड़ों से पत्थर गिरने से होटल ढह गया। रुद्रप्रयाग के उत्तरकाशी में सड़क का एक हिस्सा टूट गया। उधर जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड के चलते जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया। जिसके चलते अमरनाथ यात्रा रोकनी पड़ी। लोगों को नेशनल हाईवे - 44 पर न जाने की सलाह दी गई। पौडी गढ़वाल जिले के थाना कोटद्वार के अंतर्गत मालन पुल के पास नदी में 15 लोग फंस गए थे। जिन्हें SDRF की टीम ने सुरक्षित निकाल लिया। हल्द्वानी में 3 घंटे मूसलाधार बारिश हुई। काठगोदाम के कलसिया में फंसे डेढ़ सौ लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। गौला नदी में भारी पानी आया है, जिसके बाद बैराज के सभी गेट खोल दिए गए हैं। वही कलसिया नाले से घरों को भारी नुकसान हुआ है, अभी तक दो मकान क्षतिग्रस्त बताएं जा रहे हैं। मानसूनी सिस्टम के एक्टिव नहीं होने से अगले 24 घंटे में कहीं भी तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी जरूर हो सकती है। भोपाल में बादल छाए रहेंगे। पिछले दो दिन से बारिश का दौर थमने से प्रदेश

में ओवरऑल बारिश का आंकड़ा घट गया है। सोमवार तक ओवरऑल 9 प्रतिशत बारिश ज्यादा हुई थी। यह आंकड़ा मंगलवार को 6 प्रतिशत तक पहुंच गया। बुधवार को आंकड़े में और कमी आ सकती है।

महाराष्ट्र की भाजपा नेता सना खान जबलपुर से लापता, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

जबलपुर। महाराष्ट्र भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा की नेता सना खान जबलपुर आकर लापता हो गई हैं। मंगलवार को सना के परिजन उन्हें तलाशते हुए जबलपुर पहुंचे और यहां उन्होंने गोराबाजार थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए उनकी हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नागपुर के मानकापुर इलाके में रहने वाली सना खान ने छह महीने पहले बिलहरी निवासी ढ़ाबा संचालक अमित साहू (पप्पू) से विवाह किया था। एक अगस्त को वह अपनी मां को सूचना देकर जबलपुर के लिए निकली थीं। दो अगस्त को सना ने रिश्तेदार इमरान को फोन कर जबलपुर पहुंचने की जानकारी दी। इसी दिन शाम को उन्होंने दोबारा इमरान से फोन पर बात कर अमित साहू द्वारा मारपीट करने की बात

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नागपुर के मानकापुर इलाके में रहने वाली सना खान ने छह महीने पहले बिलहरी निवासी ढ़ाबा संचालक अमित साहू (पप्पू) से विवाह किया था। एक अगस्त को वह अपनी मां को सूचना देकर जबलपुर के लिए निकली थीं। दो अगस्त को सना ने रिश्तेदार इमरान को फोन कर जबलपुर पहुंचने की जानकारी दी। इसी दिन शाम को उन्होंने दोबारा इमरान से फोन पर बात कर अमित साहू द्वारा मारपीट करने की बात कही। इमरान ने यह जानकारी सना की मां मेहरुन्निसा को दी।

कही। इमरान ने यह जानकारी सना की मां मेहरुन्निसा को दी। मेहरुन्निसा ने सना से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उनके तीनों मोबाइल फोन बंद मिले। इसके बाद उन्होंने ढ़ाबा संचालक अमित साहू को फोन किया। टालमटोल के बाद अमित ने बताया कि विवाद के बाद सना अकेले घर से निकल गई थीं। वह कहां गईं, इस बारे में उसे कोई जानकारी नहीं। इसके बाद सना के भाई मोसिन, मोबिन खान और अन्य परिजनों के साथ मंगलवार को जबलपुर पहुंचे और गोराबाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि अमित ने उनकी बहन की हत्या कर शव को हिरण नदी में फेंक दिया है। इसके बाद पुलिस अमित के बिलहरी स्थित घर पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने कुछ सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किए हैं, जिनके आधार पर जांच की जा रही है। मोसिन व मोबिन का आरोप है कि ढाबे में काम करने वाले एक नौकर ने उनसे बताया कि दो अगस्त को अमित अपनी कार लेकर पहुंचा था, जिसकी डिक्की में खून लगा हुआ था। जबलपुर कैंद थाने की सीएसपी तुषार सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि नागपुर निवासी सना खान उर्फ हिना के परिजन गोराबाजार थाने पहुंचे हैं, जहां बताया कि सना लापता है। उन्होंने नागपुर में सना की गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असम राइफल्स पर ही क्यों भड़के हैं मणिपुरी, अब भाजपा भी विरोध में उतरी

इंफाल। असम में पुलिस और असम राइफल्स के बीच तकरार बढ़ती ही जा रही है। मणिपुर पुलिस ने 9 असम राइफल्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का आरोप है कि असम राइफल्स में उग्रवादियों को शामिल कर लिया गया है और अब वे पुलिस के काम में टांग अड़ाते हैं। वहीं अब मणिपुर भाजपा ने भी असम राइफल्स को हटाने के लिए प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। बता दें कि विष्णुपुर के क्राता में हिंसा भड़क गई थी और तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने कुकी हमलावरों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने आरोप लगाया कि अभियान के दौरान असम राइफल्स ने बाधा डाली और उनके वाहनों को रोका।

असम राइफल्स में बीच में खड़ी की वैन

पुलिस का कहना है कि पुलिस के ऑपरेशन के दौरान असम राइफल्स ने बीच में अपने वाहन खड़े क दियए। इसके बाद कुकी उग्रवादी भाग निकले और उन्हें पकड़ा नहीं जा सका। इसी मामले को लेकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। वहीं कुछ दिन पहले ही पुलिस और असम राइफल्स के जवान के बीच बहस का वीडियो भी वायरल हुआ था। पुलिसकर्मी कह रहा था कि असम राइफल्स उनके काम में बाधा डाल रही है। वहीं जवान ने कहा कि वह केवल अपनी ड्यूटी कर रहे हैं।

भाजपा ने पीएम मोदी को सौंपा ज्ञापन

असम राइफल्स के खिलाफ मणिपुर भाजपा में भी आवाज उठी है। भाजपा ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि मणिपुर से पूरी तरह असम राइफल्स को हटा लिया जाए। उसकी जगह किसी और बल को तैनात किया जाए क्योंकि असम राइफल्स निष्पक्षता बनाने में नाकाम रही है। इस ज्ञापन में कहा गया कि हिंसा शुरू होने के पहले दिन से ही असम राइफल्स का रवैया गलत रहा है और यह शांति स्थापित नहीं कर पाी है। इसके चलते जनता में भी असम राइफल्स के प्रति गुस्सा है।

बिष्णुपुर में चेक पॉइंट से हटाई गई

असम राइफल्स

रविवार को महिलाओं ने इंफाल में कई जगह पर प्रदर्शन किए और असम राइफल्स को हटाने की मांग की। इसके बाद तुरंत फैसला किया गया और सोमवार को ही बिष्णुपुर के चेक पोस्ट से असम राइफल्स को हटा दिया गया।

आर्मी ने क्या कहा–आर्मी ने मंगलवार को कहा कि मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी प्रयास को रोकने के लिए कार्रवाई में वह और असम राइफल्स दृढ़ रहेंगे। सेना की स्पीयर कोर ने ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि असम राइफल्स की छवि धूमिल करने के लिए मनगढ़ंत प्रयास किए गए हैं, जो जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति बहाल करने में लगी हुई है। बयान में कहा गया है, कुछ उपद्रवी तत्वों ने तीन मई से मणिपुर में लोगों की जान बचाने और शांति बहाल करने की दिशा में लगातार काम कर रहे केंद्रीय सुरक्षा बलों, विशेष रूप से असम राइफल्स की भूमिका, इरादे पर सवाल उठाने के बार-बार और असफल प्रयास किए हैं। सेना ने कहा कि यह समझने की जरूरत है कि मणिपुर में जमीन पर स्थिति की जटिल प्रकृति के कारण, विभिन्न सुरक्षा बलों के बीच कभी-कभी मतभेद होते हैं। उसने कहा कि हालांकि, कार्यात्मक स्तर पर ऐसी सभी गलतफहमियों को मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए संयुक्त तंत्र के माध्यम से तुरंत दूर किया जाता है।

संपादकीय

संसद से अपेक्षा

मंगलवार को मणिपुर के मुद्दे पर केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद तरुण गोगोई ने जो कुछ कहा, उसके राजनीतिक निहितार्थ जो भी हों, पूर्वोत्तर के लिहाज से इस पूरी बहस की अहमियत काफी है। तरुण खुद मणिपुर से सटे प्रदेश असम से चुनकर आते हैं। ऐसे में, विपक्ष ने उचित ही उन्हें इस अविश्वास प्रस्ताव का मुख्य प्रस्तावक बनाया। पिछले तीन महीने से भी अधिक समय से मणिपुर के हालात संभल नहीं रहे। कुछ-कुछ अंतराल पर वहां हिंसा भड़क उठ रही है। हालात की गंभीरता के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है, ऐसे में सरकार से राजनीतिक जवाबदेही की विपक्ष की मांग उसका सांविधानिक दायित्व भी है और अधिकार भी, आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एक मुफीद दांव तो खैर है ही। लेकिन जब मणिपुर की मौजूदा स्थिति की बात हो रही है, तब वक्ताओं को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि वे कुछ भी ऐसा न कहें, न बोलें, जो पीड़ित प्रदेश के किसी भी पक्ष के जख्मों को कुरेदने वाला हो। यह विडंबना ही है कि जिस पूर्वोत्तर को विशेष महत्व देने के लिए एनडीए-2 सरकार का गुणगान हो रहा था, उसके एक सूबे के हालात ही उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की वजह बने। ऐसी बहसों में विपक्ष के वक्ता जहां सरकार की खामियां गिनाते हैं, तो वहीं सत्ता पक्ष के सांसद-मंत्री तर्कों के साथ उसकी काट पेश करते हैं। मगर हमारे सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार की जगह जिस तरह कटुता हावी होती जा रही है, उसका असर अब संसदीय बहसों में भी दिखता है। आप शुरुआती लोकसभा की बहसों को और पिछले दो-तीन दशकों की संसदीय बहसों का स्तर देखिए, फर्क नजर आ जाएगा। हमारी संसदीय बहसों में अब समाधान वाले सुझावों की जगह जुमले उछालने की प्रवृत्ति ज्यादा हावी हो चली है। इससे स्रोताओं-दर्शकों में चाहे जितनी वाहवाही मिले, सदनों में विधायी गतिशीलता नहीं आ पाती। यही कारण है कि अब सरकारें बिना बहस कराए अहम विधेयक भी पारित कराने में कामयाब होने लगी हैं। संसदीय लोकतंत्र में अंकगणित सबसे अहम होता है। यह बात सभी जानते हैं कि लोकसभा में सरकार के पक्ष में भारी संख्या बल है। विपक्ष इसके बावजूद अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है, तो वह भी इसके नतीजे से वाकिफ होगा ही। नियमों-परंपराओं के अनुरूप स्वाभाविक ही सत्ता पक्ष को बहस के लिए अधिक वक्त मिला है और विपक्ष को कम। अब विपक्षी वक्ताओं का कौशल इसमें है कि वे जिस मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, उसके प्रति व्यापक संवेदनशीलता पैदा कर सकें और सत्ता पक्ष की कामयाबी इसमें है कि वह मणिपुर के लोगों समते पूरे देश को मुत्मईन कर सके कि हर जख्म पर मरहम रखा जाएगा और पूरा देश अपने मणिपुरी भाई-बहनों के साथ है। देश की संसद से समवेत स्वर तमाम सरहदी सूबों के बाशिंदों को जाना चाहिए कि वे खुद को अकेला न समझें! पूर्वोत्तर के प्रदेशों की यह पुरानी शिकायत रही है कि नई दिल्ली उनकी तकलीफों के प्रति संजीदा नहीं है। मणिपुर हिंसा ने इसे और मजबूत ही किया है। इसलिए तमाम दलों को इस मुद्दे को राजनीतिक नफे-नुकसान के बजाय राष्ट्रीय एकता के नजरिये से देखना होगा। निस्संदेह, बहस के अंत में प्रधानमंत्री के जवाब का इंतजार मणिपुर, पूर्वोत्तर के लोगों के साथ-साथ पूरे देश को है।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

भारत की आर्थिक प्रगति को कुछ देश प्रभावित करना चाहते हैं

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

*हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थान 'फिच' ने अमेरिका की रेटिंग को **AAA** से घटाकर **AA+** कर दिया है। किसी भी देश की क्रेडिट रेटिंग के कम होने का आशय यह है कि निवेशक उस देश में निवेश करने के बारे में पुनर्विचार करने लगते हैं क्योंकि उस देश में निवेश करने में जोखिम बढ़ जाता है अतः उस देश को निवेश आकर्षित करने के लिए निवेशकों को अधिक ब्याज की दर का प्रस्ताव देना होता है। इस प्रकार, अमेरिका में विदेशी निवेश विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज संस्थान मॉर्गन स्टैनली ने चीन, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया पर आउटलुक को घटा दिया है।*

भारतीय सनातन संस्कृति की अपनी कुछ विशेषताएं हैं, जिनके पालन से भारत आर्थिक क्षेत्र में चंहुमुखी विकास करता दिखाई दे रहा है। परंतु, कुछ देश भारत की आर्थिक प्रगति को प्रतिस्पर्धा के नजरिए से देखते हुए इसे पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि आज भारत की विकास दर इन देशों से कहीं आगे निकल गई है जबकि इन देशों की न केवल विकास दर लगातार कम हो रही है बल्कि इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं मंदी की चपेट में आती दिखाई दे रही हैं। आज पूरे विश्व में भारतीय सनातन संस्कृति सबसे पुरानी संस्कृति मानी जा रही है, अतः वैश्विक स्तर पर कुछ देश एवं संस्थान मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति पर लगातार प्रहार करते दिखाई दे रहे हैं ताकि न केवल भारत के सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न किया जा सके बल्कि भारत की आर्थिक विकास दर को भी प्रभावित किया जा सके। हाल ही में, भारत के मणिपुर एवं हरियाणा जैसे राज्यों में हो रहे दंगे भी सम्भवतः इसी साजिश का परिणाम दिखाई देते हैं। हाल ही में, अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थान 'फिच' ने अमेरिका की रेटिंग को AAA से घटाकर AA+ कर दिया है। किसी भी देश की क्रेडिट रेटिंग के कम होने का आशय यह है कि निवेशक उस देश में निवेश करने के बारे में पुनर्विचार करने लगते हैं क्योंकि उस देश में निवेश करने में जोखिम बढ़ जाता है अतः उस देश को निवेश आकर्षित करने के लिए निवेशकों को अधिक ब्याज की दर का प्रस्ताव देना होता है। इस प्रकार, अमेरिका में विदेशी निवेश विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज संस्थान मॉर्गन स्टैनली ने चीन, ताइवान और ऑस्ट्रेलिया पर आउटलुक को घटा दिया है। जबकि, भारत पर आउटलुक को बढ़ाकर ओवरवेट कर दिया है। मॉर्गन स्टैनली का मानना है कि भारत में जारी आर्थिक सुधार कार्यक्रम का असर देश की बढ़ती विकास दर पर दिखाई देने लगा है। मैक्रो-स्टेबिलिटी, मजबूत पूंजीगत व्यय और वित्तीय संस्थानों की बढ़ती लाभप्रदता भारत की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूती प्रदान करती दिखाई दे रही है। ओवरवेट रेटिंग का आशय यह है कि फर्म को उम्मीद है कि भारत की अर्थव्यवस्था भविष्य में और अधिक बेहतर प्रदर्शन करेगी। फर्म ने कहा है कि भारत के मैक्रो संकेतक लचीले बने हुए हैं और वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद) 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर लेगी। अब जब कुछ अन्य देशों की रेटिंग घट रही है और भारत की रेटिंग बढ़ रही है तो इससे कुछ देश भारत को अपनी प्रतिस्पर्धा में खड़ा होता देख नहीं पा रहे हैं। अंग्रेजों ने भारत पर अपने 200 वर्षों के शासनकाल में भारतीय सनातन संस्कृति पर आक्रमण करते हुए इसको तहस नहस करने का भरपूर प्रयास किया था, हालांकि उनके प्रयास पूर्ण रूप से सफल नहीं हुए थे। परंतु, कुछ हद्द तक तो उन्हें सफलता मिली ही थी, जिसके चलते भारतीय नागरिक अपने स्व के भाव को भूलकर पश्चिमी सभ्यता की ओर आकर्षित हुए थे और ऐसा सोचने लगे थे कि पश्चिम से आई हुए कोई भी चीज वैज्ञानिक एवं आधुनिक है। जिसका परिणाम देश आज भी भुगत रहा है। जबकि ब्रिटेन, जापान, इजराईल, जर्मनी, अमेरिका जैसे देशों ने तो अपने नागरिकों में स्व के भाव को जगाकर ही अपने आप को विकसित देशों की श्रेणी में शामिल करने में सफलता पाई थी। अंग्रेजों ने उस खंडकाल में अपनी नीतियां ही इस प्रकार की बनाई थी कि भारतीय नागरिक आपस में जाति और पंथ के नाम पर लड़ते रहें ताकि उन्हें भारत पर शासन करने में आसानी हो। जबकि आज विश्व भर में स्थिति यह है कि सनातन भारतीय संस्कारों को वैज्ञानिक माना जा रहा है, एवं कई वैश्विक समस्याओं के हल हेतु भारत की ओर आशाभारी नजरों से देखा जा रहा है। परंतु, आज पुनः कुछ देश, अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान अपनाए गए हथकंडो को भारत में लागू कर भारत में शांति को भंग करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। अभी हाल ही में मणिपुर एवं हरियाणा में पनपे दंगे इसी नीति का परिणाम दिखाई देता है। मणिपुर में जहां विस्तारवादी चर्च की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है तो वहीं हरियाणा में आतंकवादी संगठनों का हस्तक्षेप हो सकता है। कुल मिलाकर, ऐसा आभास हो रहा है कि जैसे विस्तरवादी चर्च, आतंकवादी संगठनों, नक्सलवादीयों एवं कुछ विदेशी संस्थानों ने आपस में हाथ मिला लिया हो एवं यह सब मिलकर कुछ भारतीय नागरिकों को साथ लेकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हों। भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए 'माई बॉडी माई चोईस'; 'हमको भारत में रहने में डर लगता है'; 'दीपावली पर फटाके जलाने से पूरे विश्व का वायुमंडल प्रभावित होता है'; होली पर्व पर गुलाल एवं रंग बिखेरने से पानी की बर्बादी होती है' आदि नरेटिव स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। वाशिंगटन पोस्ट एवं न्यूयॉर्क टाइम्ज लम्बे लम्बे लेख लिखते हैं कि भारत में मुसलमानों पर अन्याय हो रहा है। कोविड महामारी के दौरान भी भारत को बहुत बदनाम करने का प्रयास किया गया था।

वर्ष 2002 की घटनाओं पर आधारित एक डॉक्युमेंटरी को बीबीसी आज समाज के बीच में लाने का प्रयास कर रहा है। अडानी समूह, जो कि भारत में आधारभूत संरचना विकसित करने के कार्य का प्रमुख खिलाड़ी है, की तथाकथित वित्तीय अनियमितताओं पर अमेरिकी संस्थान 'हिंडनबर्ग' अपनी एक रिपोर्ट जारी करता है ताकि इस समूह को आर्थिक नुक्सान हो और यह समूह भारत की आर्थिक प्रगति में भागीदारी न कर सके। हैपीनेस इंडेक्स एवं हंगर इंडेक्स में भारत की स्थिति को झूठे तरीके से पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देशों से भी बदतर हालात में बताया जाता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, भारतीय मुसलमानों की स्थिति के बारे में तब विपरीत बात करते हैं जब भारतीय प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर होते हैं। ऐसा आभास होता है कि भारत के विरुद्ध यह अभियान कई संस्थानों एवं देशों द्वारा मिलाकर चलाया जा रहा है। दूसरी ओर कुछ देश, विशेष रूप से चीन, भारत के बाजारों को चीन में उत्पादित सस्ते मूल्य की वस्तुओं से पाट देना चाहता है। कुछ वर्ष पूर्व तक चीन को अपनी इस रणनीति में सफलता भी मिली थी और भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा था और भारत का लघु उदयोग लगभग समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। इस सम्बंध में एक महत्वपूर्ण उदाहरण का उल्लेख यहां किया जा सकता है। फोलिक एसिड नामक एक दवाई भारत में ही बनाई जाती थी, इस दवाई को भारतीय कम्पनियां 6,000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेचती थी, परंतु चीन ने भारत में यह दवाई 4000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर बेचना शुरू कर दिया था। इस दवाई का भारत में निर्माण करने वाली कम्पनियों को इससे घाटा होने लगा और उन्होंने भारत में इस दवाई का उत्पादन बंद कर दिया। जब भारत में चीन के लिए इस दवाई की प्रतिस्पर्धा समाप्त हो गई तो कालांतर में चीन इसी दवाई को भारत में 50,000 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर उपलब्ध करने लगा। इस कार्य को उत्पाद की फ्रडम्पिंगफ्र का नाम भी दिया जाता है। परंतु, भारत अब अन्य देशों के इन हथकंडों को पहिचान चुका है और उत्पादों की डम्पिंग को रोकने के लिए इन उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लेने लगा है। अभी हाल ही में भारत सरकार ने देश में लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर, अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर आदि के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा कि शोध एवं विकास, परीक्षण, बेंचमार्किंग और मूल्यांकन, मरम्मत और वापसी तथा उत्पाद विकास के उद्देश्य से प्रति खेप अब 20 वस्तुओं तक आयात लाइसेंस की छूट रहेगी। यह उत्पाद अभी तक भारत में बिक्री के लिए चीन जैसे देशों से आयात किए जाते थे। भारत सरकार के इस निर्णय से इन उत्पादों का भारत में ही निर्माण करने को बढ़ावा मिलेगा और इस क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भरता हासिल होगी। अतः अब समय आ गया है कि भारतीय नागरिक कुछ विदेशी संस्थानों एवं कुछ देशों के भारत के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को गहराई से समझने का प्रयास करें एवं भारत के विश्व के पटल पर एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित होने में बाधा नहीं बनते हुए, अपना महती योगदान देने का प्रयास करें।

दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली लागू करें

टीके अरुण

वर्तमान में आर्थिक नीतियां बनाने वालों के लिए आमतौर पर लाइसेंस शब्द को खराब माना जाता है। फिर भी, मुक्त बाजार के पैरोकारों की संभावित आलोचनाओं के जोखिम पर सरकार को दवा निर्यात में लाइसेंस लेने को अनिवार्य अवश्य बनाना चाहिए। भारत ने 'विश्व का दवाखाना' खिताब अर्जित करके अच्छा नाम कमाया है लिहाजा दूसरे देशों को दवा निर्यात करने वाली कंपनियों को मनचाहा करने की छूट से इस साख को काफी नुकसान होने का अंदेशा मंडरा रहा है।28 जुलाई को ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट में बताया था कि चेन्नई स्थित एक कंपनी द्वारा इराक को भेजी 'कोल्ड आउट' नामक खांसी सिरप के सैम्पल में स्वीकार्य मात्रा से 21 गुणा ज्यादा इथाइल ग्लाइकॉल पाया गया। यह परीक्षण अमेरिका की भरोसेमंद और विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में किया गया। इससे पहले पिछले साल आई खबरों में, भारत में बनी खांसी सिरप से गाम्बिया और उजबेकिस्तान में बच्चों की मौत होने के आरोप लगे थे। इस साल अप्रैल माह में, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मार्शल आइलैंड और माइक्रोनेशिया में खांसी की दवा के संदिग्ध सैम्पल पाए थे। यह सिरप भी एक भारतीय कंपनी का उत्पाद था। इसमें डाई-इथाइलीन ग्लाइकॉल और इथाइलीन ग्लाइकॉल नामक विषैले तत्व पाए गए, जो इंसानी शरीर के लिए घातक हैं। एक अगस्त को ब्लूमबर्ग की एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि एक भारतीय दवा निर्माता ने घटिया गुणवत्ता वाली गर्भपात गोलियां एक गैर-सरकारी संगठन को बेचीं, जिसने आगे दुनियाभर में इन्हें बांटा। पिछले कुछ वक्त से भारतीय दवा निर्यातकों की ऐसी आपराधिक लापरवाही के अनेक मामले हैं जिनके परिणामवश गाम्बिया, इंडोनेशिया और उजबेकिस्तान में मौत होने के आरोप हैं और विश्व के अन्य हिस्सों के उपभोक्ताओं की निगाह में भारतीय दवाओं पर भरोसा टूटा।भारत अपने दवा उद्योग की साख को इस तरह बट्टा लगते जाना गवारा नहीं कर सकता। भारतीय दवाओं को अफ्रीका में एड्स की सस्ती दवाओं से करोड़ों लोगों की जान बचाने के लिए याद रखा जाएगा। अन्य अंतर्राष्ट्रीय दवा निर्माताओं के मुकाबले भारतीय दवाओं की कीमत इतनी कम थी कि उनको भी जनाक्रोश के सामने झुककर अपनी दवाओं का मूल्य भारतीय दवाओं के स्तर पर लाना पड़ा। इस तरह अफ्रीका का आम इंसान हो या किसी देश का राष्ट्रीय स्वास्थ्य तंत्र, सबके लिए दवाएं वहन योग्य बनीं। विश्व का सकल दवा बाज़ार कई ट्रिलियन डॉलर का है। जबकि नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत से दवा निर्यात लगभग 25 बिलियन डॉलर सालाना है। जितने मूल्य का व्यापार भारतीय दवा कंपनियां करने की संभावना रखती हैं, उसके बरअक्स यह आंकड़ा केवल सतह खुरचने जैसा है। अकेले जेनेरिक दवा उद्योग आसानी से 10 गुणा बढ़ सकता है, रोजगार पैदा कर सकता है और इतना टैक्स और पुनर्निवेशीकृत मुनाफा बन सकता है, जिसका मुकाबला आईटी उद्योग से इतर और कोई क्षेत्र नहीं कर पाएगा। आर्थिक रूप से मजबूत जेनेरिक दवा उद्योग नए मॉलिक्यूल्स के अनुसंधान एवं विकास के लिए निवेश कर सकता है और जेनेटिक दवाएं, सिंथेटिक बायोलॉजी एवं नूतन वैक्सीन के क्षेत्र में दाखिल हो सकता है। लेकिन इन तमाम संभावनाओं पर कुछ छोटे दवा निर्यातकों द्वारा बाजार में घटिया दवाएं उतारने और इन्हें बनाने में जो घटिया मूल सॉल्ट वे आयात करते हैं उसकी निगरानी तंत्र कमजोर होने की वजह से पानी फिर जाता है। यह तुरंत बंद होना चाहिए। भारत को दवा उत्पादन प्रक्रिया और अंतिम उत्पाद के लिए कड़ी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली को अनिवार्य करना होगा। एक बड़ी समस्या यह है कि गुणवत्ता का पैमाना राज्य से राज्य के बीच भिन्न है। इसको बदलना होगा और सभी सूबों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एक समान गुणवत्ता और संहिता होनी चाहिए। बेशक ठेके पर दवा उत्पादक इकाई बनाना, मूल्य संवर्धन के सबसे तेज तरीकों में एक है और इसको रोकने की बजाय बढ़ावा देना चाहिए, लेकिन भारतीय दवा उद्योग तंत्र के परिप्रेक्ष्य में दवा निर्यात में 'खुली छूट' वाला रवैया अपनाने की भी कोई वजह नहीं है। भारत में लगभग 3000 दवा निर्माता और 10,000 उत्पादन इकाइयां हैं, जिन्होंने वर्ष 2021 में कुल मिलाकर 3.36 करोड़ रुपये मूल्य की दवाओं का उत्पादन किया। इसमें 75 फीसदी अंश चोटी की 50 कंपनियों का रहा। अर्थात् शेष प्रत्येक कंपनी की औसत बिक्री लगभग 85 करोड़ रुपये थी। इनमें कुछ भविष्य की 'सिप्ला' या 'सन फार्मा' हैं तो कुछेक वह भी, जो घटिया दवाएं बनाती हैं और जिनके लिए कहा जाता है कि सजा का प्रावधान नर्म करके जेल की बजाय जुर्माना भरना बनाया गया है। भारतीय दवा गुणवत्ता नियंत्रक के पास इतने संसाधन नहीं हैं कि तमाम 10000 उत्पादन इकाइयों पर कड़ी निगरानी रखे और गुणवत्ता लागू करवा सके। पर सभी को दवा उत्पादकों को निर्यातक बनने की इजाजत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि वे अपने उत्पाद की बिक्री गुणवत्ता के दम पर करने की बजाय बेचने की कला से खरीदार ढूंढ़ लेते हैं। बेचने के पैंतरों में एक सबसे सरल है, आयातक देश में किसी अधिकारी को रिश्वत देकर काम निकलवाना।

भारत को दवा निर्यात के लिए गुणवत्ता नियंत्रण निज़ाम अवश्य बनाना चाहिए। आवेदन भी केवल वही कंपनियां कर पाएं जिनकी बिक्री 1000 करोड़ रुपये से ऊपर हो। अपने ब्रांड की साख बचाने और नया बाजार बनाना उनके लिए स्वयमेव लाजिमी हो जाएगा। वे उन जैसा नहीं कर पाएंगी जो पैसा जल्दी बनाने की प्रवृत्ति के नतीजे में कोई त्रासदी या कांड घटित होने पर अपना धंधा बंद करके कहीं और जाकर इकाई लगा लेते हैं। निर्यात होने वाले हरेक दवा की खेप की गुणवत्ता जांच हो, सैम्पलों की जांच भारत सरकार के मान्यता बोर्ड और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से हो। तो क्या इसका मतलब है कि भारत के छोटे और लघु उत्पादकों के लिए निर्यात के दरवाज़े बंद हो जाएंगे? कतई नहीं, वे शुरुआत छोटे स्तर से करके, पहले घरेलू बाजार में और उन बड़े निर्यातकों को अपना माल बेच सकते हैं जो गुणवत्ता से समझौता नहीं करते। इस तरह अपने लिए पांव रखने की जगह बना सकते हैं, फिर पात्रता लायक बिक्री बनाने उपरांत निर्यात शुरू कर सकते हैं।'परनाला वहीं' रवैया भारतीय दवा उद्योग की इज्जत दागदार कर रहा है और इसकी संभावनाएं खत्म कर रहा है। गला-काट बाजार बनाने में बहुत से मुल्कों और उन कंपनियों की दिलचस्पी है जो भारत की साख को बट्टा लगवाना चाहते हैं। नीति-निर्धारकों को यह बात समझकर वह उपाय सुनिश्चित करने होंगे जिससे केवल गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध उत्पादक हों और भरोसेमंद दवाओं का ही निर्यात हो पाए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संसद ही सर्वोपरि , सरकार जीती-इंडिया हारा

(लेखक- सनत जैन)

राज्यसभा में विपक्षी गठबंधन इंडिया पराजित हो गई है। सरकार को 131 मत बिल के समर्थन में प्राप्त हुए हैं वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया को 102 मत ही प्राप्त हुए। बहुमत और अंकगणित के इस खेल में सरकार जीत गई, और इंडिया हार गई यही कहा जा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जिस तरह से संसद की सर्वोच्चता पर जवाब देते हुए केंद्र सरकार की शक्तियों को बताया। उससे इतना तो स्पष्ट हो गया कि केंद्र सरकार पूर्ण शासित राज्यों को भी जब चाहे तब उनका विघटन कर सकती है। दिल्ली संशोधन सेवा बिल केंद्र शासित राजधानी, दिल्ली राज्य के लिए लाया गया है। जहां पर राज्य सरकार को सीमित अधिकार हैं। गृहमंत्री ने कहा, जो नियम और कानून कांग्रेस की सरकार के समय बने थे। उसमें कामा और फुल स्टाप का भी अंतर नहीं है। उन्होंने पिछले 30 वर्षों का दिल्ली सरकार के अधिकार और केंद्र सरकार के अधिकार को लेकर जब तक केजरीवाल नहीं आए थे। तब तक केन्द्र और राज्य के बीच कोई झगड़ा नहीं हुआ था। तब इस तरह के बिल लाने की जरूरत नहीं थी। जब से केजरीवाल आए हैं, वह केंद्र की शक्तियों को लगातार चुनौती दे रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस बिल को लाने की दरकार हुई है ऐसा कहकर उन्होंने बिल का बचाव किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह भी बता दिया कि आंध्र प्रदेश का बंटवारा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच पीए ने किया गया था। यह सभी शक्तियां संसद के पास हैं। उन्होंने संसद की सर्वोच्चता साबित करते हुए, न्यायपालिका के अधिकारों को सीमित बताने का प्रयास किया अमित शाह ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि संसद में निर्वाचित प्रतिनिधि चुनकर आते हैं। उन्हें कानून बनाने की शक्तियां हैं। इससे स्पष्ट होता है, की न्यायपालिका ने जो कानून बनाए हैं। उनकी समीक्षा ही न्यायपालिका का कर सकती है सरकार को लगता है कि वह न्यायपालिका के निर्णय से संतुष्ट नहीं है। तो वह संविधान में समय-समय पर संशोधन भी कर सकती है। नए-नए कानून भी बना सकती हैं इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए जम्मू-कश्मीर में जब धारा 370 खत्म की गई उसके बाद जम्मू-कश्मीर राज्य को अलग-अलग राज्यों में बांटने का काम किया गया। इससे स्पष्ट हो गया कि संसद जब चाहे तब संविधान और नियम और कानूनों में जो चाहे परिवर्तन बहुमत के आधार पर कर सकती है। यदि इसी को सच मान जाए, तो जब इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी। उन्हें लोकसभा और राज्यसभा में पूर्ण बहुमत था ऐसी स्थिति में उन्होंने जो भी नियम कानून बनाए, उन्हें भी चुनौती नहीं दी जा सकती थी। संविधान में वर्णित मौलिक अधिकार भी अब नागरिकों के सुरक्षित नहीं रहे। यदि संसद की इस सर्वोच्चता को ध्यान में रखा जाए, तो इन मौलिक अधिकारों को खत्म करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में जो अधिकार जनता को दिए गए हैं। जनता ही अपने प्रतिनिधि चुनेगी वहीं सरकार बनाएंगे। संविधान में संशोधन करके इसे भी बदला जा सकता है। जिस तरह का बदलाव जम्मू-कश्मीर में केंद्र सरकार द्वारा दो नए केंद्र शासित प्रदेश बनाकर किया गया है। उसके बाद अब किसी भी राज्य को तोड़ना और अपने हिसाब से उसे नया स्वरूप देना, यह बहुमत के आधार पर संसद कभी भी कर सकती है। इसके बाद संघीय व्यवस्था और राज्यों के अधिकार केन्द्र सरकार की कृपा पर हो जाएंगे। यह इस बिल के पास होने से स्पष्ट हुआ है। इंडिया गठबंधन को मात्र 102 वोट मिले हैं सरकार ने बीजू जनता दल के 9 सांसद और वाईएसआर के 9 सदस्यों का समर्थन हासिल कर लिया था यदि 18 राज्यसभा सदस्य इंडिया के पक्ष में मतदान करते, तो इनकी सदस्य संख्या 120 हो जाती। एनडीए की संख्या 131 से घटकर 113 हो जाती है। अंक गणित के इस सिद्धांत को बहुमत मैं परिवर्तित करके राजनीतिक कौशल का परिचय केंद्र सरकार देकर यह बता दिया है, कि लोकसभा और राज्यसभा में यदि पूर्ण बहुमत है। तो उस सरकार को वह सब करने का अधिकार है। जो वह बहुमत के बल पर करना चाहती है। संविधान में मौलिक अधिकार का अनुच्छेद है। उसे भी सरकार बहुमत के आधार पर कभी भी बदल सकती है संविधान भी बदला जा सकता है, और नियम कानून भी अब बदले जा सकते हैं। इसको लेकर विपक्षी गठबंधन और आम नागरिकों के बीच तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिलने लगी है 2024 का लोकसभा चुनाव यदि इसी बहुमत के साथ एनडीए गठबंधन जीत जाता है। अथवा इस तरीके के भारी बहुमत से यदि कोई भी गठबंधन संसद में पहुंच जाता है तो इसी तरह से कभी भी संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था में वह जो चाहे परिवर्तन कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आपूर्ति में कमी और त्यौहारी सीजन के कारण गेहूं की कीमत आसमान में

नई दिल्ली । सीमित आपूर्ति और त्यौहारी सीजन से पहले मांग बढ़ने से घरेलू बाजार में गेहूं की कीमत छह माह के शीर्ष पहुंच गई है। मोदी सरकार ने हाल में संकेत दिया था कि गेहूं की बढ़ती कीमत थामने के लिए आयात शुल्क खत्म किया जा सकता है। गेहूं की कीमत बढ़ने से खाद्य महंगाई बढ़ने की आशंका है। देश में सालाना 10.8 करोड़ टन गेहूं की खपत होती है। दिल्ली के कारोबारी ने कहा कि गेहूं पैदा करने वाले सभी राज्यों में आपूर्ति करीब-करीब रुक गई है। आटा मिलों को भी बाजार से आपूर्ति मिलने में दिक्कत हो रही है। इंदौर में गेहूं के दाम मंगलवार को 1.5 फीसदी चढ़कर 25,446 रुपए प्रति टन पहुंच गए, जो 10 फरवरी के बाद सर्वाधिक है। चार माह में गेहूं के दाम 18 फीसदी बढ़े हैं। मुंबई के डीलर ने कहा कि त्यौहारी मौसम में आपूर्ति बनाए रखने के लिए सरकार को गोदामों से खुले बाजार में भंडार भेजना चाहिए। एक अगस्त के आंकड़ों के मुताबिक सरकार के पास 2.83 करोड़ टन का स्टॉक था जो पिछले साल के 2.66 करोड़ टन के मुकाबले अधिक है। डीलर ने कहा कि कीमतों में कमी लाने के लिए आयात जरूरी है। केंद्र सरकार आयात के बिना सप्लाई नहीं बढ़ा सकती है। पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने गेहूं के इंपोर्ट पर लगने वाले 40 फीसदी ड्यूटी को खत्म करने के संकेत दिए थे। जानकारों का मानना है कि कीमतों में कमी के लिए इंपोर्ट बेहद जरुरी है।

मारुति सुजुकी की पोर्टफोलियो में 2030 तक 10 नई कारें होंगी

- कंपनी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने किया यह खुलासा

नईदिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कंपनी की योजनाओं को लेकर जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि मारुति सुजुकी की पोर्टफोलियो में 2030 तक 10 नई कारें होंगी। खास बात ये है कि इनमें 6 कारें पूरी तरह इलेक्ट्रिक होंगी। यानी इलेक्ट्रिक कारों को लॉन्च करने की कंपनी की बड़ी योजना है। इसके अलावा कंपनी आने वाले समय में नई रणनीति के तहत उत्पादन को बढ़ाने पर भी ज्यादा ध्यान देगी। मारुति ने प्लान 3.0 पर काम शुरू करने की घोषणा कर दी है। इस प्लान के तहत कंपनी बड़ी कारों पर विकास और निर्माण में अपनी योजनाओं को केंद्रित करेगी। देखा जाये तो पिछले कुछ सालों में कंपनी की बड़ी कारों की बिक्री बढ़ी है, हालांकि दौरान छोटी कारों (हैचबैक) की बिक्री गिरावट दर्ज की गई है। मारुति की ज्यादातर कारें हैचबैक सेगमेंट से आती हैं। इसलिए ग्राहकों की मांग के अनुसार मॉडलों को उतारने के लिए कंपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर सकती है। बता दें कि सिर्फ मारुति ही नहीं बल्कि पूरी इंडस्ट्री में छोटी कारों की डिमांड में कमी देखी जा रही है। वहीं इसके उलट कॉम्पैक्ट और सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी कारों की डिमांड तेजी से बढ़ी है। मौजूदा समय में मारुति सुजुकी 20 लाख कारों के उत्पादन की क्षमता रखती है, जिसे कंपनी आने वाले समय में 40 लाख यूनिट तक बढ़ाना चाहती है। इसके लिए कंपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि करेगी।हाल ही में मारुति सुजुकी ने गुजरात स्थित सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के प्लांट का पूरी तरह अधिग्रण करने की घोषणा की है। यह उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए कंपनी के तरफ से पहला बड़ा कदम है।

मूडीज ने अमेरिकी बैंकों की क्रेडिट रेटिंग में कटौती की

मुंबई ।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अमेरिका की 10 छोटी और मझौली आकार के अमेरिकी बैंकों की क्रेडिट रेटिंग में कटौती की और वॉल स्ट्रीट के कई बड़े नामों को नकारात्मक समीक्षा में डाल दिया। मूडीज ने बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलन, स्टेट स्ट्रीट और नॉर्दर्न ट्रस्ट सहित छह बड़े अमेरिकी बैंकों की क्रेडिट रेटिंग की समीक्षा की है। रिपोर्ट के अनुसार, संभावित गिरावट के कारण शेयरों में गिरावट आ रही है, क्योंकि निवेशक बैंकिंग क्षेत्र में और अधिक कठिनाइयों को लेकर चिंतित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा कि तीन बैंकों पर उसकी चेतावनी अमेरिकी बैंकिंग क्षेत्र में चल रहे तनाव को दिखाती है, जिसमें फंडिंग पर बढ़ते दबाव और पूंजी उधारदाताओं की मात्रा में संभावित कमजोरियां शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की शुरुआत में सिलिकॉन वैली बैंक, सिग्नेचर बैंक और फर्स्ट रिपब्लिक के एक के बाद एक पतन से अमेरिकी बैंकिंग उद्योग हिल गया था। मंगलवार को, केबीडब्ल्यू बैंक इंडेक्स 3.3 प्रतिशत गिर गया, जो मई के बाद से इसकी सबसे बड़ी एक दिवसीय गिरावट की राह पर है, जब क्षेत्रीय ऋणदाता फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के पतन के कारण वित्तीय शेयरों में गिरावट आई थी। मूडीज ने जिस कारक का उल्लेख कर फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की एक श्रृंखला ने अमेरिकी बैंकों को नुकसान पहुंचाया है। मूडीज ने प्रत्येक चेतावनी में कहा, उच्च ब्याज दरें अमेरिकी बैंकों की निश्चित दर प्रतिभूतियों और ऋणों के मूल्य को कम कर रही हैं और ब्याज दर जोखिम को अमेरिकी बैंक विनियमन में अच्छी तरह से शामिल नहीं किया गया है और इस प्रकार तरलता जोखिम पैदा हो सकता है।

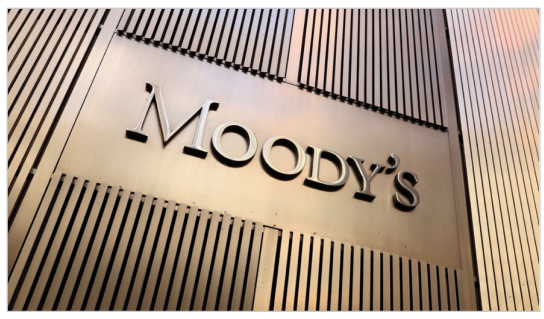

मुकेश अंबानी ने न्यूयॉर्क में अपने आलीशान फ्लैट बेचा

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने न्यूयॉर्क के वेस्ट विलेज स्थित अपना आलीशान फ्लैट बेच दिया है। सुपीरियर इंक के नाम से मशहूर इमारत के फ्लैट की डील 9 मिलियन डॉलर में हुई है। बता दें कि चौथी मंजिल का यह फ्लैट 2,406 वर्ग फुट में फैला हुआ है। इसमें दो बेडरूम हैं, तीन बाथरूम, एक शेफ किचन, 10 फुट ऊंची छत, हेरिंगबोन हार्डवुड फ्लोर और न्वाइज प्रूफ विंडो हैं। न्यूयॉक के इस बिल्डिंग में अंबानी के पड़ोसियों में हिलेरी स्वैंक और मार्क जैकब्स शामिल थे। वहीं, यहां से हडसन नदी का शानदार व्यू भी मिलता है। 17 मंजिला इमारत में फ्लैटः सुपीरियर इंक के नाम की यह इमारत 17 मंजिला है। यह मूल रूप से सुपीरियर इंक फैक्ट्री के रूप में कार्य करती थी। इसकी शुरुआत साल 1919 में हुई थी। साल 2009 में रॉबर्ट एएम स्टर्न आर्किटेक्ट्स और याबू पुशेलबर्ग द्वारा इमारत में कुछ जरूरी बदलाव किए गए। बता दें कि अंबानी के मुंबई स्थित घर एंटीलिया को दुनिया के सबसे महंगी इमारतों में गिना जाता है। कुल 4,532 वर्ग मीटर में फैली यह इमारत कुल 27 मंजिला है। इस घर में दुनिया की तमाम सुविधाओं की चीजें मौजूद हैं।

पेट्रोल डीजल की कीमतों में नहीं हुआ बदलाव

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल डीजल की कीमतों में आज कोई बदलाव नहीं हुआ। चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल डीजल के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 94.27 रुपये में मिल रहा है जबकि कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर है। चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल के दाम 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है जबकि लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। पटना में पेट्रोल 108.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर पर है।

निफ्टी का नया टारगेट, 20,500 अंक तक जाएगा शेयर मार्केट

-अमेरिका से आई रिपोर्ट से शेयर बाजार को लगेंगे पंख, मंदी से मिलेगी निजात

मुंबई ।

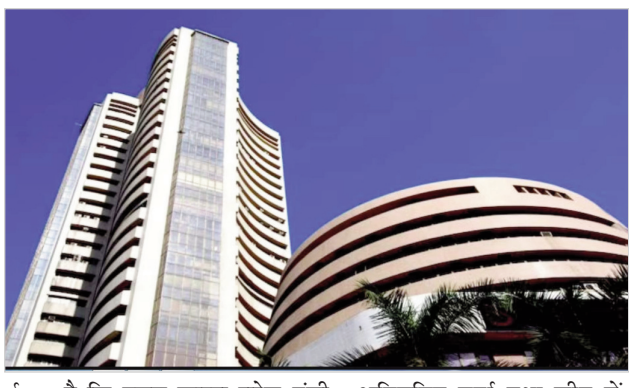

अमेरिका में मंदी की आशंका दूर होने के चलते भारतीय शेयर बाजार को पंख लगने वाले हैं। बताया जा रहा है कि निफ्टी का नया टारगेट 20,500 अंक तक जाने की संभावना है। मिली जानकारी के अनुसार बैंक ऑफ अमेरिका ने भारतीय शेयर बाजार के लिये अपने अनुमान को बढ़ाया है और दिसंबर तक निफ्टी के 20,500 अंक तक पहुंचने की संभावना जतायी है। इसका कारण घरेलू स्तर पर मजबूत पूंजी प्रवाह और अमेरिकी में मंदी की आशंका का दूर होना है। हालों कि यह रिपोर्ट मॉर्गन स्टेनले की रिपोर्ट के एक सप्ताह बाद आई है, जिसमें भारतीय शेयर बाजार को एशिया के उभरते बाजारों में, जापान को छोड़कर, पहले पायदान पर आने की बात कही गयी। वहीं बैंक ऑफ अमेरिका के विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू बाजार को वित्तीय, औद्योगिक, वाहन, औषधि क्षेत्रों की मझोली और बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से मजबूती मिल रही है। ये क्षेत्र आकर्षक बने हुए हैं, वहीं सूचना प्रौद्योगिकी, जन केंद्रित और सामग्री जैसे क्षेत्र कम आकर्षक बने हुए हैं। अमेरिकी बैंक बोफा ने कहा कि हमारा अनुमान है कि दिसंबर तक निफ्टी 20,500 अंक पर पहुंच सकता है। इसका कारण अमेरिका में आई मंदी की आशंका दूर होना है। इससे पूंजी प्रवाह और मजबूत घरेलू प्रवाह सुनिश्चित होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरा कारण घरेलू पूंजी प्रवाह है, जो मजबूत बना रह सकता है। तीसरा कारण, निफ्टी में एक तिहाई का बाजार मूल्यांकन अब भी दीर्घकालिक औसत मूल्यांकन से कम है। यह खरीद का अवसर प्रदान करता है। दूसरी तरफ, कुछ जोखिम भी है। इसमें कच्चे तेल में हाल में वृद्धि और अनियमित वर्षा तथा चीन में प्रोत्साहन की संभावना से जिंसों के दाम में तेजी से मुद्रास्फीति में वृद्धि की आशंका शामिल है। हालांकि, बैंक ऑफ अमेरिका ने अपनी रिपोर्ट में उन सेक्टर्स में निवेश को लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, जहां कमाई में गिरावट की संभावना होती है।

टमाटर के बाद प्याज के दामों में हो सकती बढ़ोत्तरी

सरकार ने कहा पर्याप्त स्टॉक

नई दिल्ली ।

टमाटर के बाद प्याज भी आपके घर का बजट बिगाड़ सकता है। देश की कई बड़ी मंडियों में प्याज की सप्लाई में कमी होने से जानकारों का कहना है कि कुछ दिन में प्याज की कीमतें भी आम आदमी को रुला सकती हैं। बता दें कि टमाटर की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही हैं। राजधानी दिल्ली में इन दिनों टमाटर 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। राहत वाली बात यह है कि टमाटर की स्टॉक कम होता है। वहीं मोदी सरकार के पास प्याज का लगभग ढाई लाख टन रिजर्व है, जो कि समय आने पर खोला जा सकता है। दरअसल टमाटर और प्याज दोनों ही ऐसी सब्जियां हैं जो कि ज्यादार डिशेज बनाने में इस्तेमाल होती हैं। किसानों का कहना है कि स्टोर किए गए प्याज को भारी नुकसान हुआ है। एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी महाराष्ट्र की लसालगांव मंडी के सेक्रटरी ने बताया कि जो प्याज का भंडार किया था वह आधा खराब हो चुका है। इसके बाद टमाटर की सप्लाई में कमी आ रही है। सरकारी अधिकारी ने कहा, सरकार प्याज की डिमांड और सप्लाई पर नजर रख रही है। प्याज ही नहीं पूरे देश में 22 जरूरी सामान पर सरकार की नजर है। चिंता की कोई बात नहीं है। सरकार के पास अच्छा भंडार है। समय आने पर सप्लाई बढ़ाई जाएगी। प्याज के व्यापार से जुड़े लोगों का कहना है कि इस बार सर्दियों की फसल में सालाना मांग की 70 फीसदी पैदावार हुई थी। बता दें कि बीते चार महीने से प्याज की कीमतें स्थिर हैं। हालांकि अगस्त और सितंबर परेशानी वाला होता है। अक्टूबर में अब प्याज की अगली फसल आ जाएगी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस समय आम तौर पर प्याज ती कीमतें 25 रुपये प्रति किलो है। हालांकि बाजार की बात करें तो अच्छा प्याज 30 रुपये प्रति किलो में बिक रहा है। एक जानकार ने कहा कि इस बार फरवरी में तापमान बढ़ने की वजह से प्याज जल्दी तैयार हो गया था। हालांकि इस रखने का समय कम हो गया। इस वजह से प्याज की कमी हो सकती है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने तीन अरबपतियों को दिया 99 अरब डॉलर का झटका

नई दिल्ली । अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट के करण इस साल तीन अरबपतियों को 99 अरब डॉलर का झटका दिया है। हालों कि इससे हिंडनबर्ग ने मोटी कमाई की है। गौरतलब है कि जानी-मानी कंपनियों के खिलाफ निगेटिव रिपोर्ट जारी कर हिंडनबर्ग शॉर्ट सेलिंग कर कमाई करती है। इस शॉर्ट सेलिंग से जहां वो अपनी जेब भरती है तो दूसरी ओर कंपनियों को बड़ा झटका लगता है। हालों कि कंपनी के खिलाफ निगेटिव रिपोर्ट का असर उनके शेयरों पर पड़ता है। यही वजह है कि इस साल हिंडनबर्ग ने तीन अरबपतियों के खिलाफ अपनी रिपोर्ट जारी की, जिससे इन अरबपतियों को 99 अरब डॉलर का झटका लगा है। हिंडनबर्ग ने इस साल के शुरुआत में ही अडानी समूह के खिलाफ 24 जनवरी 2023 को रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के आने के बाद से अडानी समूह को अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा। गौतम अडानी फोर्ब्स की बिलेनियर लिस्ट में टॉप 5 में थे, गिरकर 34वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी समूह के मार्केट कैप को 100 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। अडानी की कंपनियों के शेयर धड़ाम होकर निचले स्तर पर पहुंच गए। अडानी के बाद हिंडनबर्ग के निशाने पर ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी आए। हिंडनबर्ग ने ट्विटर के पूर्व सीईओ को लेकर विवादित रिपोर्ट जारी की। इसके बाद हिंडनबर्ग के निशाने पर अमेरिकी अरबपति आए। हिंडनबर्ग के खुलासे से कंपनियों को बड़ा नुकसान हुआ।

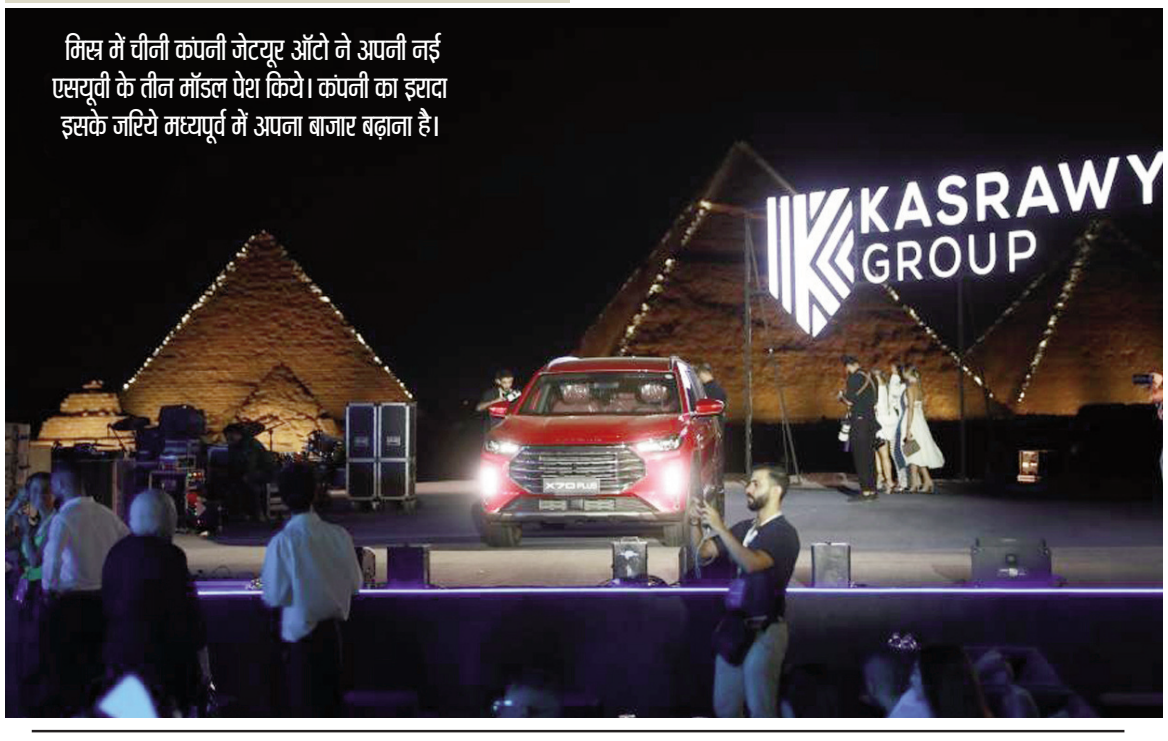

मिस्र में चीनी कंपनी जेटयूर ऑटो ने अपनी नई एसयूवी के तीन मॉडल पेश किये। कंपनी का इरादा इसके जरिये मध्यपूर्व में अपना बाजार बढ़ाना है।

महिंद्रा की दो कारों की लाखों यूनिट्स की डिलीवरी पेंडिंग

-महिंद्रा के लिए सिर दर्द बनी ये दो कारें

नईदिल्ली । स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने बताया है कि उसके पास 2.81 लाख से ज्यादा कारों की डिलीवरी पेंडिंग है। दो सबसे ज्यादा बिकने वाली कंपनी की एसयूवी कारों की भी भारी पेंडिंग डिलीवरी चल रही है। महिंद्रा स्कार्पियो क्लासिक और स्कार्पियो एन की कुल 1.17 लाख यूनिट्स का आर्डर पेंडिंग चल रहा है। वहीं इन दोनों एसयूवी की कंपनी हर महीने 14,000 यूनिट्स ही बना पा रही है।वहीं एक्सयूवी700 की 77,000 यूनिट्स की बुकिंग चल रही है और इसकी हर महीने इसकी 8,000 यूनिट्स की बुकिंग कंपनी को मिल रही है। इस वजह से एसयूवी700 के कुछ टॉप वेरिएंट्स के लिए वेटिंग एक साल तक पहुंच गया है। महिंद्रा थार के लिए भी कंपनी के पास 68,000 ऑर्डर के लिए डिलीवरी पेंडिंग है। कंपनी इसकी हर महीने 10,000 यूनिट्स बना रही है। थार के किफायती रियर व्हील ड्राइव वेरिएंट के लिए वेटिंग पीरियड 15 महीने पहुंच गया है, जबकि ऑल व्हील ड्राइव वेरिएंट के लिए अधिकतम वेटिंग पीरियड औसतन 5 महीने का है। वहीं, एसयूवी300 और एक्सयूवी400 के लिए कंपनी को कुल 11,000 यूनिट्स की बुकिंग मिली है।महिंद्रा ने यह भी खुलासा किया है कि कंपनी को हर महीने 48,000 कारों की बुकिंग मिल रही है, जबकि कंपनी मंथली 33,000 कारों को प्लांट से डिस्पैच कर रही है। वहीं हर महीने 8 प्रतिशत ग्राहक कार की बुकिंग कैंसिल करवा रहे हैं। इन दोनों कारों के लिए कंपनी को हर महीने 6,000 यूनिट्स की बुकिंग मिल रही है।महिंद्रा बोलेरो और बोलेरो नियो की बात करें तो इन दोनों मॉडलों के लिए कंपनी को 8,400 यूनिट्स की बुकिंग मिली है, जबकि कंपनी हर महीने इनकी 9,000 यूनिट्स बना रही है। इन दोनों कारों के लिए भी डीलरशिप पर भारी वेटिंग चल रही है।

ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी का असर, एमपीएल करेगा आधे कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली ।

एमपीएल अपने आधे कर्मचारियों की छुट्टी करने वाला है। जानकारी के अनुसार इसकी वजह ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी लागू करना बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का लोकप्रिय ऑनलाइन गेमिंग मोबाइल प्रीमियर लीग 350 कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है, जो उसके भारतीय वर्कफोर्स का लगभग 50 प्रतिशत है। कंपनी ने इस छंटनी के लिए ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी रेट्स में होने वाली बढ़ोतरी को जिम्मेदार ठहराया है। बता दें कि कुछ हफ्तों पहले ही भारत सरकार ने ऑनलाइन रियल मनी गेम्स पर 28 फीसदी टैक्स की घोषणा की थी। जिसका असर एमपीएल की वर्कफोर्स पर देखने को मिल रहा है। इस संबन्ध में एमपीएल के फाउंडर और सीईओ साई श्रीनिवास और शुभ मल्होत्रा ने कर्मचारियों को ईमेल द्वारा सूचित किया। 8 अगस्त को कर्मचारियों को भेजे ईमेल में कहा कि 28 फीसदी जीएसटी में बढ़ोतरी के चलते हम पर टैक्स के बोझ में 350 से 400 फीसदी की बढ़ोतरी आएगी। इसके चलते कंपनी को कठोर निर्णय लेने के जरिए मजबूर होना पड़ा है।

बता दें कि गेमिंग प्लेटफॉर्म वर्तमान में 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करते हैं। बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप एमपीएल में लगभग एक साल में यह छंटनी का दूसरा दौर है। उन्होंने मई 2022 में 100 से ज्यादा लोगों की छंटनी की थी और इंडोनेशियाई बाजार से एक्जिट हो गया था। सीईओ साई श्रीनिवास ने कहा कि एक डिजिटल कंपनी के रूप में, हमारे वैरिएबल खर्च में मुख्य रूप से कर्मचारी, सर्वर और ऑफिस स्पेस शामिल होते हैं। इसलिए, हमें कंपनी को जिंदा रखने के लिए इन खर्चों को कम करने के लिए कदम उठाने चाहिए ताकि बिजनेस बरकरार रह सके। दरअसल 11 जुलाई, 2023 को जीएसटी काउंसिल ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने का ऐलान कर दिया जो 1 अक्टूबर 2023 से लागू होने जा रहा है। जबकि ऑनलाइम गेमिंग कंपनियों ने प्रधानमंत्री से लेकर वित्त मंत्री को पत्र लिखकर इस पर विचार का अनुरोध किया।

टाटा नेक्सॉन और ह्युंडई क्रेटा ने बनाई पकड़

-कॉम्पैक्ट एसयूवी का बाजार बढ़ रहा तेजी से

नईदिल्ली ।

टाटा नेक्सॉन और ह्युंडई क्रेटा कॉम्पैक्ट एसयूवी ने बाजार में अपनी पकड़ बना ली है। लेकिन एक ऐसी भी कार है जो बड़े ही दबे पांव मार्केट में एंटर हुई और तेजी से लोगों की पसंद बनी। अब जब क्रेटा और नेक्सॉन के फेसलिफ्ट बाजार में लॉन्च होने की बात कही जा रही है और हर दिन इनके अपडेट को लेकर खबरें भी आ रही हैं, वहीं इस कार को कंपनी ने चुपचाप अपडेट भी कर दिया। अपडेशन भी कम नहीं, फीचर्स को पूरी तरह से बदल कर रख दिया। जल्द ही इस कार अपने नए कलेवर के साथ बाजार में भी सामने आ जाएगी।दरअसल हम यहां पर बात कर रहे हैं महिंद्रा की एक्सयूवी 300 की। कार की पिछले कुछ समय में सेल कम दिखी थी और इसका कारण था कि इस सेगमेंट में ज्यादा फीचर्स के साथ दूसरी कारें ऑफर की जा रही थीं। हालांकि डीजल सेगमेंट में इस कार को पछाड़ने वाला कोई नहीं था, यहां तक की नेक्सॉन डीजल की सेल भी इससे कम ही रही है। लेकिन अब कंपनी ने एक्सयूवी 300 का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च करने की तैयारी कर ली है। ये कार अब बिल्कुल नए फीचर्स और कुछ कॉस्मैटिक बदलाव के साथ बाजार में जल्द दस्तक देगी।कार में सबसे बड़ा बदलाव पैनारॉमिक सनरूफ का देखने को मिलेगा। इसी के साथ कुछ डिजाइन में भी बदलाव देखने को मिलेगा और कार में हैडलैंप्स बदल कर एक्सयूवी 700 की तरह सी शेप में दे दिए जाएंगे।। इसी के साथ कार को प्रीमियम लुक देने के लिए सॉफ्ट टच डैशबोर्ड, नया इंफोटेनमेंट सिस्टम, 6 एयरबैग, अपहॉल्स्ट्री, वेंटिलेटेड सीट्स जैसे बदलाव देखने को मिलेंगे। इसी के साथ एक्सयूवी 400 ईवी में भी कंपनी अपडेट देने की तैयारी में है। इसी के साथ कार के फ्रंट डिजाइन को भी कुछ बदला जाएगा। कार के बंपर और लाइट्स को नई शेप दी जाएगी। रियर प्रोफाइल में कार की टले लाइट्स बिल्कुल नए डिजाइन में देखने को मिल सकती हैं। कार में अब आपको वायरलैस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स और वही सब बदलाव देखने को मिलेंगे जो एक्सयूवी 300 में दिए जाएंगे।

पंड्या को नहीं मिल रहा कोच से सक्रिय समर्थन : पार्थिव

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने कहा है कि कोच राहुल द्रिविड़ से जिस प्रकार का समर्थन हार्दिक पंड्या को मिलना चाहिये था। वैसा नहीं मिल रहा है, इसलिए टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पार्थिव ने कहा कि पंड्या ने अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस टीम को जब आईपीएल खिताब जिताया था तब गुजरात के कोच आशीष नेहरा से हार्दिक को सक्रिय सहयोग मिला था। हार्दिक को आगामी टी20 विश्वकप के लिए टीम का कप्तान माना जा रहा है पर वेस्टइंडीज के खिलाफ जिस प्रकार वह असफल हुए हैं,उससे उनकी क्षमता पर भी सवाल उठने लगे हैं। 7वीं रैंकिंग वाली वेस्टइंडीज के हाथों लगातार हार के बाद हार्दिक निशाने पर हैं। पहले दोनो मैच में हार के लिए हार्दिक की कप्तानी की गलतियों को जिम्मेदार बताया गया है। वहीं पार्थिव ने हार्दिक की कप्तानी की कुछ गलतियों पर भी अपनी बात रखी है। पार्थिव का मानना है कि कोच राहुल द्रविड़ से उन्हें जो समर्थन मिल रहा है, वह गुजरात में उनके कोच आशीष नेहरा के बिल्कुल विपरीत है। वहीं पार्थिव ने कहा, पंड्या की कप्तानी के दौरान कुछ गंभीर गलतियां हुई हैं। पहला था पहले गेम में अक्षर पटेल को वह ओवर देना जब निकोलस पूरन बल्लेबाजी करने आए थे।

फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह के सहज लचीलेपन ने धावक के रूप में बनाया शानदार करियर

नई दिल्ली।

दिवंगत भारतीय एथलीट मिल्खा सिंह के पास 1947 के विभाजन की एक दिल दहला देने वाली कहानी थी, जिसे खालसा वोक्स ने मंगलवार को समझाया। वह महान एथलीट जिनकी जीवन यात्रा को फिल्म %भाग मिल्खा भाग% में भी दिखाया गया है। भारत-पाकिस्तान विभाजन की शुरुआत में एक भीड़ ने कोट अड्डू (पाकिस्तान में) पर हमला कर दिया। गोलियों और अराजकता के बीच मिल्खा सिंह ने अपने पिता को मारा जाता देखा जिन्होंने 'भाग मिल्खा भाग' चिल्लाते हुए उसे सुरक्षा के लिए भागने का आग्रह किया। दिन ढलने तक दो भाई-बहनों को छोड़कर उसने दुखद रूप से अपने पूरे परिवार को खो दिया था। कई महिलाओं ने मुस्लिम हमलावरों द्वारा अपहरण और दुर्व्यवहार से बचने के लिए अपना जीवन समाप्त कर लिया।

कठोर पलायन: हिंसा से भागते हुए सिंह ने मुल्तान तक खून से लथपथ ट्रेन की यात्रा की जिसमें वह डर के मारे एक सीट के नीचे छिप गए और बाद में शरणार्थियों से भरे फिरोजपुर में चुनौतियों का सामना किया। दिल्ली में गरीबी, बीमारी के प्रकोप और विभाजन के बाद के हालात के बीच सिंह ने लचीलेपन का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न नौकरियां कीं, गिरफ्तार हुए और अपनी जमानत के लिए बहन के आभूषण बेचने पड़े। अपने दर्दनाक अनुभवों के बावजूद सिंह के सहज लचीलेपन ने एक धावक के रूप में एक शानदार करियर बनाया जिससे उन्हें 'द फ्लाइंग सिख' की उपाधि मिली। फिर भी विभाजन के घाव बने रहे, जो पाकिस्तान लौटने की उनकी झिझक और घटना के उनके भावनात्मक विवरण में दिखाई दे रहे थे। 31 जनवरी 1960 को लाहौर में 200 मीटर में मिल्खा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 20.7 सेकंड था। इसने उन्हें रोम ओलंपिक खेलों में एक वीरतापूर्ण प्रदर्शन के लिए तैयार किया, जहां उन्होंने 6 सितंबर को 400 मीटर

फाइनल में 45.6 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय पूरा किया। 1960 के ओलंपिक खेलों की वीरता के बाद मिल्खा सिंह को कार्डिफ में 1958 के राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी जीत के लिए याद किया जाएगा।

उन्होंने 46.6 सेकंड के रिकॉर्ड समय में 440-यार्ड स्प्रिंट में स्वर्ण पदक जीता।

टीम इंडिया के कमजोर मध्यक्रम से युवराज चिन्तित

नई दिल्ली ।

पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने आगामी एकदिवसीय विश्वकप से पहले टीम इंडिया की कमजोर बतायी है। युवराज ने पहले भी कहा कि वह टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं पर अभी के हालातों को देखते हुए ऐसा नहीं लगाता। 2011 विश्वकप जीत के इस हीरो ने कहा कि टीम को मध्यक्रम अच्छा नहीं है। खिलाड़ियों के चोटिल होने से ऐसा हुआ है। केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत के फिट नहीं होने के कारण भारत के पास सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन पर भरोसा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। इस बात की पूरी संभावना है कि अगर राहुल और अय्यर समय पर लौटते हैं तो ही मध्य क्रम बेहतर होगा पर अगर ये दोनो ही समय के साथ वापसी नहीं कर पाते हैं, तो फिर विश्वकप में भारतीय टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इस ऑलराउंडर ने कहा, मैं अन्य लोगों की तरह कह सकता हूं कि भारत जीतेगा क्योंकि मैं एक भारतीय हूं। पर मैं चोटों के कारण भारतीय मिडिल मध्य क्रम की हालत समझता हूं। अगर उन चिंताओं को दूर नहीं किया जाता है, तो हम संघर्ष करेंगे, खासकर दबाव वाले मैचों में। दबाव के खेल में प्रयोग नहीं किये जा सकते। मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने का कौशल एक सलामी बल्लेबाज से बहुत अलग होता है। विश्वकप को अब दो महा है , ऐसे में अब देखना होगा कि टीम प्रबंधन में कोई है जो मध्य क्रम में खेलने वाले खिलाड़ियों पर नजर रख रहा है। वहीं अगर मध्य क्रम तैयार नहीं है तो उसके तैयार करना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाते हैं तो आपको साझेदारी बनाने की जरूरत है। ऐसे में मध्यक्रम की जिम्मेदारी अहम हो जाती है। केवल वही बल्लेबाज नहीं होते जो आक्रामक शॉट खेलते हैं। मध्यक्रम में ऐसे बल्लेबाज होते हैं जो हालात के अनुसार खेलते हैं।

उन्हें दबाव झेलना पड़ता है, कुछ गेंदें छोड़नी पड़ती हैं और एक साझेदारी बनानी होती है, ये आसान नहीं होता इसके लिए खिलाड़ी में अनुभवी के साथ ही धैर्य भी होना चाहिये।

एंडी मरे नेशनल बैंक ओपन के अगले दौर में पहुंचे

टोरंटो । ब्रिटेन के तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन एंडी मरे ने नेशलन बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को दो सेट में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मरे ने यहां 2009, 2010 और 2015 में ट्राफी जीती थीं और अब उनकी कोशिश यहां चौथा खिताब अपने नाम करने की है। उन्होंने 90 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-0 से जीत हासिल की। अब मरे का सामना आस्ट्रेलिया के मैक्स पर्सेल से होगा जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-4, 6-4 से पराजित किया। कनाडा के गैब्रियल डियालो ने ब्रिटेन के डैन इवांस को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी टूर लेवल का अपना पहला मैच जीता। अब उनका सामना दूसरे दौर में आस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर से होगा।

सूर्यकुमार सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

गुयाना ।

टीम इंडिया के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 100 छक्के पूरे किये। सूर्या ने 49वीं पारी में ही 100 छक्के लगाये हैं और ये उपलबब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के दूसरे खिलाड़ी हैं। सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के एविन लुईस के नाम है। एविन ने 48 पारियों में ही 100 छक्के लगाये थे। वहीं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने भी 49 पारियों में 100 छक्के लगाये थे। न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो इस सूची में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 57 जबकि ऑस्ट्रेलियाके एरोन फिंच ने 70 पारियों में इतने छक्के लगाये थे। सूर्यकुमार छक्के लगाने के मामले में कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से कहीं आगे है। रोहित ने 84 जबकि विराट ने 94 पारियों में 100 छक्के पूरे किए थे। सूर्यकुमार ने टी20 में केवल 1007 गेंदें खेलकर ही यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। इससे साफ है कि हर 10वीं गेंद पर उन्होंने छक्का लगाया है।

गौरतलब है कि साल 2022 के बाद से ही टी20 में सूर्यकुमार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया हहै। गुयाना में खेल गए तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाने के बाद

सूर्यकुमार ने 14 बार 50 से अधिक रन बनाने का रिकार्ड बनाया है। इस सूची में दूसरे नंबर पर मोहम्मद रिजवान हैं उन्होंने 12 लगाये हैं जबकि विराट कोहली ने 9, फहीम नजीर ने 8 और मोहम्मद वसीम ने 8 अर्धशतक अपने नाम किये हैं। का भी नाम है। सूर्यकुमार ने केवल 51 मैचों में ही 12वां प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हासिल किया। उन्होंने इसी के साथ ही कप्तान रोहित शर्मा के 12 अवार्ड की बराबरी भी कर ली।

संक्षिप्त समाचार

पूरन को लेकर हमारी रणनीति सफल रही : पांड्या

गुयाना । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरा टी20 जीतने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी योजना सफल रही। हार्दिक ने कहा कि उन्होंने मेजबान टीम के बल्लेबाज निकोलस पूरन को आक्रामक शॉट खेलने की आजादी दी थी ताकि उन्हें जल्द आउट किया जा सके। ये सफल रही ओर पूरन बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में 20 रनों पर ही पेवेलियन लौट गये। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम ने अपनी रणनीति में पूरन को बड़े शॉट का लालच देन का फैसला किया था। पांड्या ने कहा कि मैच रोमांचक होने से सभी को आनंद आया। हार्दिक ने कहा , हमें समूह के रूप में पता था कि यह तीनों मुकाबले रोमांचक होंगे। दो हार या दो जीत से हमारी योजनाएं नहीं बदलतीं। हमें यह दिखाना होगा कि जब ऐसे अहम मुकाबलों की बात आती है तो हम तैयार रहते हैं। हार्दिक ने कहा, एक समूह के रूप में हमने सात बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी शुरु की थी। हमें जिम्मेदारी लेनी होगी, जैसा कि आज हुआ। साथ ही कहा कि अगर बल्लेबाज रन बनाते हैं तो आपको 8वें नंबर पर किसी की भी जरूरत नहीं रहती है। वहीं सूर्यकुमार की प्रशंसा करते हुए हार्दिक ने कहा कि हर टीम में उनके जैसे खिलाड़ी का होना अंतर पैदा करता है।

विश्वकप के लिए सभी टीमें पांच सितंबर तक घोषित करें संभावित खिलाड़ी : आईसीसी

मुम्बई । अंतरराष्ट्रीय किकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत में पांच अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अगले माह पांच सितंबर तक सभी टीमों से अपने संभावित 15 खिलाड़ियों की सूची घोषित करने को कहा है। आईसीसी ने हालांकि कहा कि ये टीमें बाद में भी खिलाड़ियों में बदलाव कर सकेंगी। ऐसे में अब सभी टीमों के पास एक घंटे से भी कम समय है जिसमें उन्हें अपनी टीम घोषित करनी होगी। 46 दिन तक चलने वाले इस आईसीसी टूर्नामेंट में कुल 48 मुकाबले खेले जाएंगे। ये मुकाबले 10 स्थलों पर खेले जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार सभी टीमों को 5 सितंबर तक 15 खिलाड़ियों की सूची आईसीसी को देनी होगी हालांकि इसमें 27 सितंबर तक बदलाव किया जा सकेगा। वहीं इसके बाद किसी भी बदलाव के लिए पहले आईसीसी की तकनीकी समिति से अनुमति लेनी होगी। अब तक केवल ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 18 सदस्यीय संभावित टीम घोषित की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड सहित अन्य देशों के पास भी अब टीम घोषित करने के लिए एक माह से भी कम समय है। भारतीय टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। भारतीय टीम के पास विश्व कप से पहले अभ्यास के लिए अधिकतम 9 ही मैच बचे हुए हैं। ऐमें उसे भी शीघ्र ही अपने सूची आईसीसी को सौंपनी होगी।

सचिन ने श्रीलंका में बच्चों को भरपेट खाना नहीं मिलने पर दुख जताया

भरपूर आहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया

कोलंबो ।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर आजकल श्रीलंका दौरे पर हैं। श्रीलंका आजकल आर्थिक संकट से गुजर रहा है, ऐसे में यहां कीमतें काफी बढ़ गयी हैं और जरुरी सामान की भी कमी है। इसी का असर बच्चों पर भी पड़ा है। सचिन ने यहां बच्चों को भरपेट खाना नहीं मिलने पर चिन्ता जतायी है। इस महान बल्लेबाज ने यहां के एक स्कूल के दौरे के दौरान बच्चों को पोषण से भरपूर आहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर भी बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने कोविड-19 महामारी और देश के आर्थिक संकट से प्रभावित लोगों से भी बात की। तेंदुलकर ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनिसेफ के सद्भावना दूत के तौर पर कहा, बच्चे भविष्य होते हैं, अगर आज हम उनकी सहायता करेंगे, तो कल वे हमें गौरवान्वित करेंगे। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि श्रीलंका में कई परिवार बच्चों को आवश्यक गुणवत्ता और मात्रा में भोजन भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, आजकल कई बच्चे इस कारण छोटे कद के हो रहे हैं। तेंदुलकर को पूरे दक्षिण एशिया में स्वच्छता पर जोर देने के लिए 2013 में क्षेत्र के लिए यूनिसेफ का दूत नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा, जब मैं स्कूल में मैच खेलता था, तब हालात ये थे कि जब मैं दोपहर के समय बल्लेबाजी करता था तो भोजन नहीं कर पाता था। मैं कुछ सॉफ्ट ड्रिंक पीकर बल्लेबाजी करता था। उन्हें बाद में पता चला कि ठीक से दोपहर का भोजन नहीं करने से उनकी सेहत प्रभावित हुई थी। । इस क्रिकेटर ने कहा कि यह पोषण को लेकर एक बड़ा सबक था। तेंदुलकर ने कहा, बच्चों को उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जरुरत होती है। उनकी शिक्षा और पोषण में निवेश करके, हम न केवल उनके भविष्य में बल्कि हर देश के भविष्य को भी बेहतर करते हैं।

कुलदीप अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे तेज पचास विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

गुयाना । भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने यहां वेस्टडीज के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 महत्वपूर्ण मुकाबले में तीन विकेट लेने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 50 विकेट पूरे किये। कुलदीप ने केवल 30 मुकाबलों में ही ये विकेट अपने नाम किये हैं। इसी के साथ ही वह टी20 में सबसे तेजी से विकेटों का अर्धशतक लगाने वाले भारतीय गेंदबाज बन गये हैं। सबसे कम गेंदों में पचास विकेट का रिकार्ड श्रीलंका के अजंता मेंडिस के नाम हैं। अजंता ने 26 गेंदों में जबकि आयरलैंड के मार्क अडायर ने 28 गेंदों में ये विकेट लिए थे। भारत की ओर से इससे पहले यजुवेन्द्र चहल ने 34 पारियों में 50 विकेट लिए थे। वहीं अब कुलदीप ने 30 पारियों में ही ये अंकड़ा हासिल कर नंबर एक स्थान हासिल किया है। अगर सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने की बात हो तो कुलदीप 638 गेंदों के साथ इस सूची में चौथे स्थान पर बने हुए हैं। पहले तीन स्थानों पर मेंडिस ने 600 गेंद में 50 विकेट जबकि मार्क अडायर ने 620 गेंदों व लुंगी व एनगिडी ने 624 गेंदों में ये विकेट लिए थे।

अश्विन और प्रज्ञान बोले, तिलक को विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल करें

नई दिल्ली । युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। तिलक ने जिस प्रकार वेस्टइंडीज दौरे पर जिम्मेदारी भरी पारियां खेली हैं उससे सभी प्रभावित हैं। तिलक ने यहां तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाया है। दूसरे टी20 में भी इस बल्लेबाज ने अर्धशतक लगाया था जबकि पहले मैच में 39 रन बनाये हैं। इसी को देखते हुए अब अनभवी स्पिनर आर अश्विन ने पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा तक ने तिलक को एकदिवसीय विश्व कप में जगह दिए जाने की की मांग की है। तिलक ने आईपीएल में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण भी शानदार रहा है। उन्होंने परिपक्वता भी दिखाई है। टीम इंडिया के पास एकदिवसीय प्रारुप में एक भी बल्लेबाज शीर्ष क्रम में नहीं है। ऐसे में उन्हें शामिल करने से दाएं-बाएं का संयोजन विरोधी गेंदबाजों को मुश्किल में डाल सकता है। लिस्ट-ए क्रिकेट में हैदराबाद से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले तिलक ने 25 पारियों में 5 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने कहा कि एकदिवसीय में टीम इंडिया के लिए नंबर-4 समस्या बनी हुई है जिससे तिलक हल कर सकते हैं क्योंकि वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी कर लेते हैं। प्रज्ञान ने कहा कि वह अच्छा दिख रहा है और उसने हर मैच में संयम भी दिखाया है। उनके आने से टीम को बाएं हाथ का बल्लेबाज भी मिल जाएगा। इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी कहा था कि टीम में बाएं हाथ का कम से कम एक बल्लेबाज होना चाहिये। अश्विन ने कहा कि सभी तिलक के खेल का मजा ले रहे हैं। वह वेस्टइंडीज की धीमी पिच पर कमाल की बल्लेबाजी कर कर रहे हैं। उनके कई शॉट रोहित शर्मा की तरह लगते हैं। संजू सैमसन ने एकदिवसीय में अच्छा किया है पर तिलक के आने से विश्वकप में टीम को फायदा मिल सकता है। अब देखना होगा कि क्या उन्हें बैकअप प्लान के तौर पर टीम में शामिल किया जाता है या नहीं. तिलक वर्मा ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 25 मैच में 56 की औसत से 1236 रन बनाये हैं।

सूर्यकुमार और तिलक ने तीसरे टी20 में टीम इंडिया को जीत दिलायी

वेस्टइंडीज सात विकेट से हारी

गोयाना ।

सूर्यकुमार यादव के शानदार अर्धशतक 83 रनों के साथ ही तिलक वर्मा की 49 रनों की अच्छी पारी की सहायता से टीम इंडिया ने यहां खेले गये तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मेजबान वेस्टंडीज को 7 विकेट से हरा कर 2-1 से सीरीज में वापसी की है। शुरुआती दो मैच मेजबान टीम ने जीते थे। अब आगामी दो मुकाबले अमरीका में होंगे। भारतीय टीम को अगर सीरीज जीतनी है तो इन दोनो ही मैचों को जीतना होगा। तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रैंडन किंग के 42, मायर्स के 25, पूरण के 20 तो कप्तान पॉवेल के 40 रनों की सहायता से पांच विकेट पर 159 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम ने खराब शुरुआत के बाद भी सूर्यकुमार और तिलक वर्मा की साझेदारी की बदौलत ये मैच तीन विकेट के नुकसान पर 160 रन बनाकर जीत लिया। मेजबान टीम की ओर से ब्रेंडन किंग और काइल मायर्स ने तेजी से रन बनाये। मायर्स ने 20 गेंदों में 25 रन बनाये। इसके बाद आए जॉनसन चार्ल्स 12 रन बनाकर आउट हुए। निकोलस पूरन आज बड़ी पारी नहीं खेल पाये और 20 रन बनाकर कुलदीप यादव का शिकार बने। ब्रैंडन ने 42 गेंदों में 42 जबकि शिमरोन हेटमायर ने 8 गेंदों पर 9 रन बनाये। कप्तान रोवमैन पॉवेल ने तेजी से 19 गेंदों में एक चौके और तीन छक्कों की सहायता से 40 रन बनाए और स्कोर 159 तक पहुंचाया। टीम इंडिया की ओर से कुलदीप यादव ने 28 रन देकर सबसे अधिक तीन विकेट हासिल कीं। इसके अलावा अक्षर पटेल ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अपना पहला टी20 खेलने उतरे यशस्वी जायसवाल एक रन पर ही आउट हो गए। इसके बाद शुभमन भी 6 रन ही बना पाये। इस दौरान सूर्यकुमार ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ मिलकर तेजी से रन बनाये। सूर्यकुमार ने केवल 24 गेंदों में हीअपना अर्धशतक पूरा किया। सूर्यकुमार ने 44 गेंदों पर 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से 83 रन बनाए। सूर्या के आउट होने के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ तेजी से रन बनाये। तिलक 37 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की सहायता से 49 रन बनाकर नाबाद खड़े रहे।

अश्विन ने ईशान को सकारात्मक खिलाड़ी बताया

मुम्बई । अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह बेहद सकारात्मक खिलाड़ी है। अश्विन के अनुसार ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जो ड्रेसिंग रूम में ईशान जितनी सकारात्मकता दिखाते हैं। अश्विन ने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, जब भी ईशान को सफेद गेंद के प्रारूप में अवसर मिले हैं, उन्होंने उनका अच्छी तरह से उपयोग किया है। यहां तक कि अंतिम टेस्ट मैच में भी जब उन्हें ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करने का मौका मिला, तो भी उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक बनाया। साथ ही कहा कि ईशान एक अद्भुत बच्चा है। वह बेंच पर रहते हुए अपने साथियों की सहायता में भी खुश रहता है। इस स्पिनर ने कहा, यदि कोई खिलाड़ी खेल रहा है, तो वह सबसे पहले खिलाड़ी के दस्ताने लेगा और तैयार रहेगा। यदि किसी भी समय बदलाव की आवश्यकता होगी तो वह उनके लिए बल्ले की व्यवस्था करेगा। वह सभी खिलाड़ियों को अपने आसपास सहज महसूस कराता है। वह सभी का मनोरंजन भी करता है। उममें बिलकुल भी नकारात्मकता नहीं है। उसके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती है। उनका रवैया बहुत अच्छा है। जब भी वह मिले मौकों का फायदा उठाते हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है। ईशान ने जुलाई 2021 में एकदिवसीय पदार्पण के बाद से ही 17 मैच खेले हैं। उन्हें लगातार मौके नहीं मिले हैं पर हाल में वेस्टइंडीज दौरे में बेहतर प्रदर्शन के बाद वह एकदिवसीय विश्वकप के लिए दावेदारों में शामिल हो गये हैंहै। ईशान ने एकदिवसीय करियर में कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। दिसंबर 2022 में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 131 गेंदों में ही 210 रन की शानदार पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में सबसे कम उम्र में दोहरा शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की है। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीन मैचों में ईशान ने अर्धशतक लगाये हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यहां के राजा हैं महाकाल

उज्जैन का प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक प्रमुख शहर है जो क्षिप्रा नदी के किनारे बसा है। यह एक अत्यन्त प्राचीन शहर है। यह विक्रमादित्य के राज्य की राजधानी थी। इसे कालिदास की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर 12 वर्ष पर सिंहस्थ कुंभ मेला लगता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक महाकाल इस नगरी में स्थित है । उज्जैन मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इन्दौर से 55 किमी पर है. उज्जैन के प्राचिन नाम अवन्तिका, उज्जयनी, कनकश्रन्गा आदि है। उज्जैन मन्दिरों की नगरी है। यहां कई तीर्थ स्थल हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 4 लाख है।

देवाधिदेव महादेव

उज्जैन के महाकालेश्वर की मान्यता भारत के प्रमुख बारह ज्योतिर्लिंगों में है। महाकालेश्वर मंदिर का महात्म्य विभिन्न पुराणों में विस्तृत रूप से वर्णित है। महाकवि तुलसीदास से लेकर संस्कृत साहित्य के अनेक प्रसिध्द कवियों ने इस मंदिर का वर्णन किया है। लोक मानस में महाकाल की परम्परा अनादि है। उज्जैन भारत की कालगणना का केंद्र बिन्दु था और महाकाल उज्जैन के अधिपति आदिदेव माने जाते हैं। इतिहास के प्रत्येक युग में-शुंग,कुशाण, सात वाहन, गुप्त, परिहार तथा अपेक्षाकृत आधुनिक मराठा काल में इस मंदिर का निरंतर जीर्णोध्दार होता रहा है। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण राणोजी सिंधिया के काल में मालवा के सूबेदार रामचंद्र बाबा शेणवी द्वारा कराया गया था। वर्तमान में भी जीर्णोध्दार एवं सुविधा विस्तार का कार्य होता रहा है। महाकालेश्वर की प्रतिमा दक्षिण मुखी है। तांत्रिक परम्परा में प्रसिध्द दक्षिण मुखी पूजा का महत्व बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर कोही प्राप्त है। ओंकारेश्वर में मंदिर की ऊपरी पीठ पर महाकाल मूर्ति कीतरह इस तरह मंदिर में भी ओंकारेश्वर शिव की प्रतिष्ठा है।तीसरे खण्ड में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन केवल नागपंचमी को होते है। विक्रमादित्य और भोज की महाकाल पूजा के लिए शासकीय सनदें महाकाल मंदिर को प्राप्त होती रही है। वर्तमान में यह मंदिर महाकाल मंदिर समिति के तत्वावधान में संरक्षित है।

पुराणों में वर्णित अष्ट भैरव में काल भैरव का स्थ सिंहस्थ कुम्भ

सिंहस्थ उज्जैन का महान स्नान पर्व है। बारह वर्षों के अंतराल से यह पर्व तब मनाया जाता है जब बृहस्पति सिंह राशि पर स्थित रहता है। पवित्र क्षिप्रा नदी में पुण्य स्नान की विधियां चैत्र मास की पूर्णिमा से प्रारंभ होती हैं और पूरे मास में वैशाख पूर्णिमा के अंतिम स्नान तक भिन्न-भिन्न तिथियों में सम्पन्न होती है। उज्जैन के महापर्व के लिए पारम्परिक रूप से दस योग महत्वपूर्ण माने गए हैं। देश भर में चार स्थानों पर कुम्भ का आयोजन किया जाता है। प्रयास, नासिक, हरिध्दार और उज्जैन में लगने वाले कुम्भ मेलों के उज्जैन में आयोजित आस्था के इस पर्व को सिंहस्थ के नाम से पुकारा जाता है। उज्जैन में मेष राशि में सूर्य और सिंह राशि में गुरू के आने पर यहाँ महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है, जिसे सिहस्थ के नाम से देशभर में पुकारा जाता है। सिंहस्थ आयोजन की एक प्राचीन परम्परा है। इसके आयोजन के संबंध में अनेक कथाएँ प्रचलित है। अमृत बूंदे छलकने के समय जिन राशियों में सूर्य,चन्द्र, गुरू की स्थिति के विशिष्ट योग के अवसर रहते हैं, वहां कुंभ पर्व का इन राशियों में गृहों के संयोग पर आयोजन होता है। इस अमृत कलश की रक्षा में सूर्य,गुरू और चन्द्रमा के विशेष प्रयत्न रहे। इसी कारण इन्हीं गृहों की उन विशिष्ट स्थितियों में कुंभ पर्व मनाने की परम्परा है।

मंगलनाथ मंदिर

पुराणों के अनुसार उज्जैन नगरी को मंगल की जननी कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति जिनकी कुंडली में मंगल भारी रहता है, वे अपने अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए यहाँ पूजा-पाठ करवाने आते हैं। यूँ तो देश में मंगल भगवान के कई मंदिर हैं, लेकिन उज्जैन इनका जन्मस्थान होने के कारण यहाँ की पूजा को खास महत्व दिया जाता है।कहा जाता है कि यह मंदिर सदियों पुराना है। सिंधिया राजघराने में इसका पुनर्निर्माण करवाया गया था। उज्जैन शहर को भगवान महाकाल की नगरी कहा जाता है, इसलिए यहाँ मंगलनाथ भगवान की शिवरूपी प्रतिमा का पूजन किया जाता है। हर मंगलवार के दिन इस मंदिर में श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है।

क्षिप्रा घाट

उज्जैन नगर के धार्मिक स्वरूप में क्षिप्रा नदी के घाटों का प्रमुख स्थान है। नदी के दाहिने किनारे, जहां नगर स्थित है, पर बने ये घाट स्थानार्थियों के लिये सीढ़ीबध्द हैं। घाटों पर विभिन्न देवी-देवताओं के नये-पुराने मंदिर भी है। क्षिप्रा के इन घाटों का गौरव सिंहस्थ के दौरान देखते ही बनता है, जब लाखों-करोड़ों श्रध्दालु यहां स्नान करते हैं।

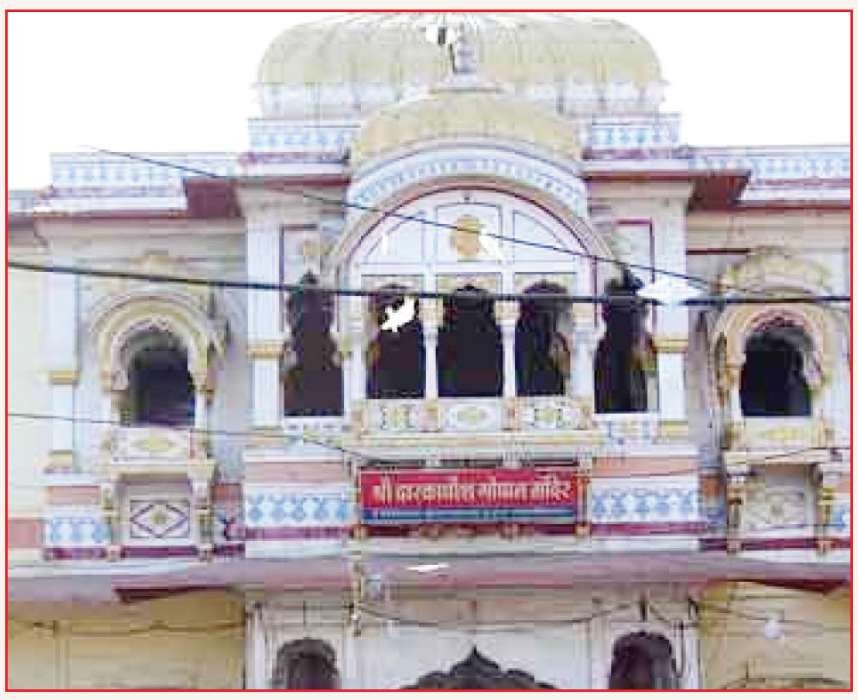

काल भैरव

काल भैरव मंदिर आज के उज्जैन नगर में स्थित प्राचीन अवंतिका

नगरी के क्षेत्र में स्थित है। यह स्थल शिव के उपासकों के कापालिक सम्प्रदाय से संबंधित है। मंदिर के अंदर काल भैरव की विशाल प्रतिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण प्राचीन काल में राजा भद्रसेन ने कराया था।

उज्जैन के कई नाम

आज जो नगर उज्जैन नाम से जाना जाता है वह अतीत में अवंतिका, उज्जयिनी, विशाला, प्रतिकल्पा, कुमुदवती, स्वर्णश्रृंगा,अमरावती आदि अनेक नामों से अभिहित रहा। मानव सभ्यता के प्रारंभ से यह भारत के एक महान तीर्थ-स्थल के रूप में विकसित हुआ। पुण्य सलिला क्षिप्रा के दाहिने तट पर बसे इस नगर को भारत की मोक्षदायक सप्तपुरियों में एक माना गया है।

गोपाल मंदिर

गोपाल मंदिर उज्जैन नगर का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। यह मंदिर नगर के मध्य व्यस्ततम क्षेत्र में स्थित है। मंदिर का निर्माण महाराजा दौलतराव सिंधिया की महारानी बायजा बाई ने सन् 1833 के आसपास कराया था। मंदिर में कृष्ण (गोपाल) प्रतिमा है। मंदिर के चांदी के द्वार यहां का एक अन्य आकर्षण हैं।

हरसिध्दि

उज्जैन नगर के प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में हरसिध्दि देवी का मंदिर प्रमुख है। चिन्तामण गणेश मंदिर से थोड़ी दूर और रूद्रसागर तालाब के किनारे स्थित इस मंदिर में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा हरसिध्दि देवी की पूजा की जाती थी। हरसिध्दि देवी वैष्णव संप्रदाय की आराध्य रही। शिवपुराण के अनुसार दक्ष यज्ञ के बाद सती की कोहनी यहां गिरी थी।

गढ़कालिका देवी

गढ़कालिका देवी का यह मंदिर आज के उज्जैन नगर में प्राचीन अवंतिका नगरी क्षेत्र में है। कालयजी कवि कालिदास गढ़कालिका देवी के उपासक थे। इस प्राचीन मंदिर का सम्राट हर्षवर्धन द्वारा जीर्णोध्दार कराने का उल्लेख मिलता है। गढ़ कालिका के मंदिर में माँ कालिका के दर्शन के लिए रोज हजारों भक्तों की भीड़ जुटती है। तांत्रिकों की देवी कालिका के इस चमत्कारिक मंदिर की प्राचीनता के विषय में कोई नहीं जानता, फिर भी माना जाता है कि इसकी स्थापना महाभारतकाल में हुई थी, लेकिन मूर्ति सतयुग के काल की है। बाद में इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार सम्राट हर्षवर्धन द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। स्टेटकाल में ग्वालियर के महाराजा ने इसका पुनर्निर्माण कराया।

भर्तृहरि गुफा

भर्तृहरि की गुफा ग्यारहवीं सदी के एक मंदिर का अवशेष है, जिसका उत्तरवर्ती दौर में जीर्णोध्दार होता रहा ।

श्री बड़े गणेश मंदिर

श्री महाकालेश्वर मंदिर के निकट हरसिध्दि मार्ग पर बड़े गणेश की भव्य और कलापूर्ण मूर्ति प्रतिष्ठित है। इस मूर्ति का निर्माण पद्मविभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास के पिता विख्यात विद्वान स्व. पं. नारायण जी व्यास ने किया था। मंदिर परिसर में सप्तधातु की पंचमुखी हनुमान प्रतिमा के साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा कृष्ण यशोदा आदि की प्रतिमाएं भी विराजित हैं।

आज का उज्जैन

वर्तमान उज्जैन नगर विंध्यपर्वतमाला के समीप और पवित्र तथा ऐतिहासिक क्षिप्रा नदी के किनारे समुद्र तल से 1678 फीट की ऊंचाई पर 23 डिग्री.50% उत्तर देशांश और 75 डिग्री .50% पूर्वी अक्षांश पर स्थित है। नगर का तापमान और वातावरण समशीतोष्ण है। यहां की भूमि उपजाऊ है। कालजयी कवि कालिदास और महान रचनाकार बाणभट्ट ने नगर की खूबसूरती को जादुई निरूपति किया है। कालिदास ने लिखा है कि दुनिया के सारे रत्न उज्जैन में हैं और समुद्रों के पास सिर्फ उनका जल बचा है। उज्जैन नगर और अंचल की प्रमुख बोली मीठी मालवी बोली है। हिंदी भी प्रयोग में है। उज्जैन इतिहास के अनेक परिवर्तनों का साक्षी है। क्षिप्रा के अंतर में इस पारम्परिक नगर के उत्थान-पतन की निराली और सुस्पष्ट अनुभूतियां अंकित है। क्षिप्रा के घाटों पर जहां प्राकृतिक सौन्दर्य की छटा बिखरी पडी है, असंख्य लोग आए और गए। रंगों भरा कार्तिक मेला हो या जन- संकुल सिंहस्थ या दिन के नहान, सब कुछ नगर को तीन और से घेरे क्षिप्रा का आकर्षण है। उज्जैन के दक्षिण- पूर्वी सिरे से नगर में प्रवेश कर क्षिप्रा ने यहां के हर स्थान से अपना अंतरंग संबंध स्थापित किया है। यहां त्रिवेणी पर नवगृह मंदिर है और कुछ ही गणना में व्यस्त है। पास की सडक आपको चिन्तामणि गणेश पहुंचा देगी। धारा मुड़कर गई तो क्या हुआ? ये जाने पहचाने क्षिप्रा के घाट है, जो सुबह-सुबह महाकाल और हरसिध्दि मंदिरों की छाया का स्वागत करते है। क्षिप्रा जब पूर आती है तो गोपाल मंदिर की देहली छू लेती है। दुर्गादास की छत्री के थोडे ही आगे नदी की धारा नगर के प्राचीन परिसर के आस-पास घूम जाती है। भर्तृहरि गुफा, पीर मछिन्दर और गढकालिका का क्षेत्र पार कर नदी मंगलनाथ पहुंचती है। मंगलनाथ का यह मंदिर सान्दीपनि आश्रम और निकट ही राम-जनार्दन मंदिर के सुंदर दृश्यों को निहारता रहता है। सिध्दवट और काल भैरव की ओर मुत्रडकर क्षिप्रा कालियादेह महल को घेरते हुई चुपचाप उज्जैन से आगे अपनी यात्रा पर बढ जाती है। कवि हों या संत, भक्त हों या साधु, पर्यटक हों या कलाकार,पग-पग पर मंदिरों से भरपूर क्षिप्रा के मनोरम तट सभी के लिए समान भाव से प्रेरणाम के आधार है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान रेल हादसे पर आई रिपोर्ट, टूटी पटरियां बनीं दुर्घटना की वजह

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में हुए रेल हादसे का कारण टूटी पटरियां बताया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद इस बात का खुलासा हुआ कि फिशप्लेट भी गायब थीं। बता दें कि सिंध प्रांत में रविवार को हुए भीषण रेल हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से ज्यादा घायल हुए थे। शुरुआती जांच में तो फिलहाल इतना ही सामने आया है। हालांकि, अधिकारी छेड़छाड़ की संभावना से भी इनकार नहीं कर रहे हैं। गौरतलब है कि कराची से रावलपिंडी जा रही हजारा एक्सप्रेस ट्रेन रविवार को कराची से 275 किलोमीटर दूर नवाबशाह के सरहरी रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गई थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि हजारा ट्रेन जिस ट्रैक से जा रही थी, उसकी पटरी टूटी हुई थी, इसके अलावा दो फिशप्लेट भी गायब थीं। इसके बाद पाकिस्तान रेलवे की 6 सदस्यीय जांच टीम ने कहा, सभी पहलुओं की जांच करने के बाद, हम इस नतीजे पर पहुंचे कि दुर्घटना पटरी टूटने और फिशप्लेट गायब होने की वजह से हुई। कमेटी ने ट्रेन के इंजन के फिसलने को भी हादसे की वजह माना है। इसके अलावा कुछ रेलवे अधिकारी तोड़फोड़ की संभावना भी बता रहे हैं। क्योंकि दुर्घटना स्थल से आगे लोहे की फिशप्लेट और लकड़ी के टर्मिनल पर कोई चीज मारे जाने के मामूली निशान पाए गए। ऐसे में रिपोर्ट में इस दुर्घटना के लिए इंजीनियरिंग शाखा और मैकेनिकल शाखा को जिम्मेदार ठहराया जाता है। रेलवे जांच टीम के दो सदस्यों ने इस रिपोर्ट पर असहमति दिखाई है। इनमें से एक अधिकारी के मुताबिक, इंजन एक्सल का जाम होना ट्रेन के पटरी से उतरने का वास्तविक कारण है। जिसके चलते फिशप्लेट्स पर निशान मिले हैं। एक्सल के लगातार जाम होने के चलते फिशप्लेट्स टूट कर गायब हुईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह शुरुआती रिपोर्ट है। फाइनल रिपोर्ट के लिए एक विस्तृत जांच चल रही है।

ग्रैंड कैन्यन के आस-पास के स्थान को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ग्रैंड कैन्यन के आस-पास के स्थान को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया है। इस कदम को 'न केवल एरिजोना, बल्कि पूरे ग्रह के लिए हितकारी बताया है। ग्रैंड कैन्यन के आस-पास के स्थान को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की घोषणा के साथ ही मूल अमेरिकी जनजातियों और पर्यावरणविदों की दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई है। बाइडन के कदम से ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क के उत्तर और दक्षिण में लगभग 1,562 वर्ग मील (4,046 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। यहां घाटियां, पठार और सहायक नदियां हैं। बाइडन द्वारा घोषित किया गया पांचवां राष्ट्रीय स्मारक है। एरिजोना के अदिवासी अमेरिकी राष्ट्रपति से पुरावशेष अधिनियम 1906 के तहत अपने अधिकार का उपयोग करके नया राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग लंबे समय से कर रहे थे। बाइडन ने कहा, इन जमीनों को संरक्षित करना न केवल एरिजोना, बल्कि पूरे ग्रह के हित में है। उन्होंने कहा कि यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी अच्छा कदम है। ग्रैंड कैन्यन घाटी अमेरिका के एरिजोना राज्य से होकर बहने वाली कोलोरेडो नदी की धारा से बनी तंग घाटी है। यह घाटी अधिकांशत- ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क से घिरी है।

जो वाइडन के स्वागत की तैयारी

अमेरिका । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन 8 सितंबर को 1000 मेहमानों के साथ दिल्ली पहुंच रहे हैं। 10 सितंबर को 1000 मेहमानों और 7 बोइंग मे 10 सितंबर को अमेरिका के लिए रवाना होंगे। सभी मेहमानों की मेजबानी इस बार राष्ट्रपति भवन पर होगी। भारत सरकार अभी से जो वाइडन और उनके साथ 1000 मेहमानों स्वागत सत्कार की तैयारी में जुट गई है।

शराब की दुकान से खरीदी लॉटरी ने शख्स को बना दिया रातो-रात करोड़पति

वॉशिंगटन । अमेरिका में एक शख्स की लॉटरी लगने से रातों-रात किस्मत बदल गई। उसने शराब की दुकान पर बेची गई स्क्रैच-ऑफ लॉटरी खरीदी थी, जिसने उसकी तकदीर ही बदल दी। वह युवक 1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार जीत गया। मिली जानकारी के अनुसार, वांग चा नाम के युवक ने कहा कि उसने 30 डॉलर में कई स्क्रैचर्स टिकट खरीदे थे। पहले उसने 500 डॉलर की लॉटरी जीती। इसके बाद उसने लॉटरी की पूरी किताब खरीद ली और फिर उसे 1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार मिला। एक बार जब उसने अपने टिकट की चौथी और अंतिम सीरिज को स्क्रैच किया तो उसमें उसकी लॉटरी निकल आई। उसे इस बात का विश्वास नहीं हो रहा था कि वह करोड़पति बन चुका है। वांग चा ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह सच है, मैंने इसे लॉटरी ऐप पर स्कैन किया और यह सच था। चा ने कहा कि वह अपनी कमाई निवेश करने का सोच रखा है और पहले के मुकाबले अब और लॉटरी टिकट खरीदना शुरू करेगा। हालां ?कि पिछले कुछ हफ्तों में यह पहली बार नहीं है कि किसी ने लॉटरी में इतनी बड़ी रकम जीती हो। कुछ दिन पहले संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले एक भारतीय प्रवासी मोहम्मद आदिल खान ने पहला ग्रैंड पुरस्कार जीता था। अब, उन्हें अगले 25 वर्षों तक हर महीने लगभग 5.5 लाख रुपये मिलते रहेंगे। लखनऊ के एक वास्तुकार मोहम्मद आदिल खान ने कहा कि कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी पहली खरीदारी उन्हें भव्य पुरस्कार का विजेता बना सकती है। अपनी बड़ी जीत के साथ, आदिल का लक्ष्य अपने परिवार के लिए एक घर खरीदना है और वह निवेश के अन्य अवसर भी तलाशना चाहते हैं।

ष्टद्धद्बठ्ठड्ड में भारी बारिश और बाढ़ का नहीं थम रहा कहर, 33 लोगों की मौत, 18 अभी भी लापता

बीजिंग । चीन के अधिकांश उत्तरी हिस्से में असामान्य रूप से भारी बारिश का खतरा बना हुआ है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि बीजिंग की रिकॉर्ड भारी बारिश के बाद 33 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 18 अभी भी लापता हैं। चीन की राजधानी हाल के हफ्तों में रिकॉर्ड बारिश से प्रभावित हुई है, जिससे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है और शहर के उपनगरों और आसपास के इलाकों में पानी भर गया है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि बीजिंग में हाल के खराब मौसम में मुख्य रूप से बाढ़ और इमारतों के ढहने से 33 लोगों की मौत हो गई है, जो पिछले मंगलवार को अधिकारियों द्वारा दिए गए आंकड़े से लगभग तीन गुना अधिक है। राज्य प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, बीजिंग के उप-महापौर ज़िया लिनमाओ ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं ड्यूटी के दौरान मारे गए लोगों और दुर्भाग्यपूर्ण पीड़ितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। पूरे उत्तरी चीन में बाढ़ से सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है, बीजिंग ने शुक्रवार को कहा कि पिछले महीने 147 मौतें या लापता होने की घटनाएं प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुईं। चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने कहा कि उनमें से 142 बाढ़ या भूवैज्ञानिक आपदाओं के कारण हुए। बीजिंग के पड़ोसी हेबेई प्रांत में 15 लोगों की मौत और 22 लोगों के लापता होने की खबर है। वहीं पूर्वोत्तर जिलिन में रविवार को 14 लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति के लापता होने की खबर है। हेइलोंगजियांग के उत्तर में राज्य मीडिया ने बताया कि हाल के दिनों में दर्जनों नदियों का जल स्तर 'चेतावनी चिह्न' से ऊपर बढ़ गया है। प्रांत के जियांग्शी गांव के एक पुलिस अधिकारी झेंग जियाओकांग ने सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया, जब मैं हाल की बाढ़ को याद करता हूं तो मुझे अभी भी डर लगता है। झेंग ने कहा कि लगातार हो रही बारिश और नदी के बढ़ते पानी के सामने, अगर हम समय पर ग्रामीणों को निकालने में कामयाब नहीं हुए होते तो परिणाम विनाशकारी होते।

इटली के लैम्पेडुसा द्वीप में बड़ा हादसा, प्रवासी जहाज़ डूबने से 41 लोगों की मौत

पिछले हफ्ते मध्य भूमध्य सागर में एक जहाज़ दुर्घटना में 41 प्रवासियों की मौत हो गई, अंसा समाचार एजेंसी ने बुधवार को उन जीवित बचे लोगों के खातों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी, जो अभी-अभी इतालवी द्वीप लैम्पेडुसा पहुंचे हैं। अंसा ने कहा कि जहाज दुर्घटना में जीवित बचे चार लोगों ने बचावकर्ताओं को बताया कि वे नाव पर तीन बच्चों सहित 45 लोगों को ले जा रहे थे। जीवित बचे लोगों के हवाले से बताया गया कि नाव गुरुवार सुबह प्रवासन संकट के गर्म स्थान ट्यूनीशिया के स्फ़ैक्स से रवाना हुई, लेकिन कुछ घंटों के बाद पलट गई और डूब गई। सरकारी आंकड़ों की माने तो इटली में समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। यहां इस साल के आठ महीनों में करीब 92 हजार से ज्यादा प्रवासी आ चुके हैं। लोकल मीडिया ने बताया कि बीते कुछ दिनों में समय से प्रवासी छोटी-बड़ी बोट्स लेकर यहां आ रहे हैं।

एक चीनी कोस्ट गार्ड की शिप फिलींपींस की नौका को चेतावनी देने के लिए पानी की बौछारें करते हुए।

रईसी का खुलासा, हमने कभी परमाणु समझौते का उल्लंघन नहीं किया

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने साफ कहा है कि हमने कभी भी परमाणु समझौते का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने कहा है कि जहां देश 2015 के परमाणु समझौते के पुनरुद्धार पर सम्मान के साथ चर्चा जारी रखेगा, वहीं यह अमेरिकी प्रतिबंधों का विरोध करने के लिए भी काम करेगा, क्योंकि इसमें विश्वास की कमी है। ईरानी राष्ट्रपति के कार्यालय के एक बयान के अनुसार उन्होंने ये टिप्पणी ईरान के 21वें राष्ट्रीय मीडिया महोत्सव के समापन समारोह के दौरान की, जो 8 अगस्त को राष्ट्रीय पत्रकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। रईसी ने कहा कि हमने कभी भी समझौते का उल्लंघन नहीं किया है और कभी भी बातचीत नहीं छोड़ी है। आज, हालांकि प्रतिबंधों और ठोस मांगों को उठाने के लिए बातचीत में हमारा दबदबा है, हम कभी भी दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं करेंगे। हमने कई मौकों पर उनको अपने वादे तोड़ते देखा है। गौरतलब है कि ईरान ने जुलाई 2015 में विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है, जिसमें देश पर लगे प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम पर कुछ अंकुश लगाने पर सहमति जताई गई। हालांकि, अमेरिका मई 2018 में इस समझौते से बाहर हो गया और तेहरान पर अपने प्रतिबंध फिर से लगा दिए। जेसीपीओए के पुनरुद्धार पर वार्ता अप्रैल 2021 में ऑस्ट्रिया के वियना में शुरू हुई। इसके बाद अगस्त 2022 में नवीनतम दौर की वार्ता के बाद कोई सफलता नहीं मिली है।

चीन-जमात ए इस्लामी से भारत-बांग्लादेश संबंधों को कोई खतरा नहीं

-शेख हसानी की पार्टी ने दिया आश्वासन

ढ़ाका (एजेंसी)। क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में बांग्लादेश के आगामी आम चुनावों का महत्व उन मुद्दों में से एक था, जो बांग्लादेश दौरे पर आए अवामी लीग प्रतिनिधिमंडल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के बीच चर्चा में शामिल थे। प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को ऐसे समय में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पश्चिम, विशेष रूप से अमेरिका से दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जब मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने चुनाव कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है। एक कार्यवाहक प्रशासन के अधीन रखा गया। हसीना सरकार ने इस मुद्दे पर पश्चिम के साथ हस्तक्षेप करने के लिए भारतीय पक्ष से संपर्क किया है।

पत्रकारों के एक छोटे समूह के साथ बातचीत के दौरान, अवामी लीग प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि ढाका और नई दिल्ली के बीच संबंध सांस्कृतिक और भौगोलिक संबंधों से बंधे हैं, और चीन या बांग्लादेश के भीतर जमात जैसे चरमपंथी संगठनों की मौजूदगी से इन्हें कमजोर नहीं किया जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल के नेता और कृषि मंत्री मुहम्मद अब्दुर रज्जाक ने कहा कि चीन हमारा विकास भागीदार है लेकिन बांग्लादेश में उनके व्यापार करने से भारत को चिंता नहीं होनी चाहिए। हम कारोबार करने वाली चीनी कंपनियों को लेकर सतर्क हैं, आखिरकार कुछ कंपनियां भारत में भी काम करती हैं। बांग्लादेश भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है।

रज्जाक 1971 के युद्ध में कंपनी कमांडर थे, जिसके कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ, ने कहा कि भारतीय पक्ष ने इस बात की सराहना की थी कि हसीना सरकार के तहत पड़ोसी देश से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को किसी भी हथियार की आपूर्ति नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष खुफिया जानकारी साझा कर रहे हैं और आतंकवादी और कट्टरपंथी समूहों से संयुक्त रूप से निपट रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के लोग यह नहीं भूले हैं कि उनकी मुक्ति की तलाश में चीन ने नहीं बल्कि भारत ने समर्थन दिया था। 'बंगबंधु (शेख मुजीबुर रहमान) ने चीन से मदद मांगी थी, लेकिन उन्होंने हमारा समर्थन नहीं किया।

सिंगापुर: प्रधानमंत्री ली जनता को ईमानदारी, सत्यनिष्ठा बनाए रखने का दिया आश्वासन

सिंगापुर। (एजेंसी)। सिंगापुर में हाल के महीनों में हुए राजनीतिक विवादों के बीच प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने जनता को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और औचित्य के अपने उच्च मानकों को बनाए रखेगी। प्रधानमंत्री ली ने मंगलवार को अपने राष्ट्रीय दिवस संदेश में कहा, ''कुछ ने पूछा था कि इन विवादों को लेकर सरकार क्या कहती हैं। मेरा कहना है कि ऐसे मुद्दे समय-समय पर सामने आते रहते हैं। ऐसे विवादों से उचित और पारदर्शी तरीके से निपटता जाता है। इस बार भी ऐसा ही किया है।''

सिंगापुर अपनी भ्रष्टाचार-मुक्त और स्थिर राजनीति के लिए जाना जाता है लेकिन हाल ही में मंत्रियों और सांसदों से जुड़े विवादों के सामने आने पर इसपर सवाल खड़े हो गए थे। इनमें एक मामला भारतीय मूल के दो मंत्रियों से जुड़ा भी है जिसमें मंत्रियों को राज्य के स्वामित्व वाली रिडआउट रोड संपत्तियों को किराए पर देने के लिए प्राथमिकता दिए जाने का आरोप लगा था। इसके अलावा परिवहन मंत्री एस ईश्वरन के खिलाफ भ्रष्ट आचरण जांच ब्यूरो (सीपीआईबी) की जांच, पूर्व संसद अध्यक्ष तान चुआन-जिन और पूर्व सांसद चेंग ली हुई के संबंधों को लेकर दिए गए इस्तीफे ने भी राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया था।

पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने इमरान खान को पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पांच साल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। इस्लामाबाद की निचली अदालत ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में 70 वर्षीय खान को तीन साल कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने खान के प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान मिले उपहारों को बेचकर धन अर्जित करने का उन्हें दोषी ठहराया था। अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद पंजाब पुलिस ने उन्हें लाहौर स्थित उनके निजी आवास जमन पार्क से गिरफ्तार कर लिया था।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर खान को पांच साल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। ईसीपी ने अदालत के फैसले का हवाला दिया और कहा कि संविधान के अनुच्छेद 63(1) जिसे निर्वाचन अधिनियम - 2017 की धारा 232 के तहत पढ़ा जाए, के तहत खान को अयोग्य घोषित कर दिया। 'पीटीआई-भाषा' को प्राप्त अधिसूचना की प्रति के मुताबिक, ''इमरान खान नियाजी को पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाता है।

चीन को अब 'वसुधैव कुटुम्बकम' शब्द पर आपत्ति, दिया ये अजीबोगरीब तर्क

बीजिंग (एजेंसी)। चीन 'वसुधैव कुटुंबकम' (दुनिया एक परिवार है) को भारत की जी20 अध्यक्षता की थीम के रूप में शामिल करने पर आपत्ति जताई है। प्रकाशन में कहा गया है कि चीन ने पिछले महीने की जी20 ऊर्जा मंत्रिस्तरीय बैठक के साथ-साथ कई अन्य समान जी20 दस्तावेजों के दौरान आउटकम डॉक्यूमेंट में इस वाक्यांश और इसके उपयोग का विरोध किया था, मुख्य रूप से क्योंकि संस्कृत संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त छह आधिकारिक भाषाओं में से एक नहीं थी। इसी तरह से जी20 के बाकी डॉक्यूमेंट्स में भी इस शब्द का उपयोग है। चीन ने तर्क दिया कि जी-20 दस्तावेज आधिकारिक तौर पर 'वसुधैव कुटुंबकम' शब्द का उपयोग नहीं कर सकते। उसका कहना है कि यह एक संस्कृत भाषा का शब्द है और इस भाषा को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की तरफ से मान्यता दी गई। छह आधिकारिक भाषाओं में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि विदेश मंत्रालय की तरफ से इस पर फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया गया।

चीन ने इसके उपयोग के खिलाफ तर्क दिया, अधिकांश भाग लेने वाले देशों ने भारत का पक्ष लिया क्योंकि जी20 आयोजनों का विषय तय करना अध्यक्ष पद और मेजबान राष्ट्र का विशेषाधिकार है। विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस मुद्दे पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन सरकार के अंदरूनी सूत्रों ने ईटी को पुष्टि की है कि चीनी पक्ष ने इस मुद्दे पर अपनी आपत्ति व्यक्त की है।

जी20 के लिए भारत की थीम

पिछले साल दिसंबर में भारत को जी20 की अध्यक्षता हासिल करने के बाद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विषय की घोषणा की, जो वैश्विक मंचों पर उनके द्वारा अपनाए गए बड़े पैमाने पर समावेशी दृष्टिकोण के अनुरूप प्रतीत होता है। भारत की जी20 प्रेसीडेंसी एकता की इस सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देने के लिए काम करेगी। इसलिए हमारी थीम - 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है। पीएम मोदी ने उस समय कहा था महा उपनिषद से उत्पन्न यह वाक्यांश सभी जीवन - मानव, पशु, पौधे और सूक्ष्मजीवों के मूल्य की पुष्टि करता है।

निजाम का दिया 300 हीरों से जड़ा हार सहित अरबों की संपत्ति छोड़ गई एलिजाबेथ द्वितीय

लंदन । राजा-महाराज भले ही दुनिया को अलविदा कह दे, लेकिन इनकी गुंज चारों दिशाओं में रहती है। कोई भी अपनी संपत्ति के लिए मशहूर है, तब कोई अपने दान-पुण्य के लिए। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय अपने पीछे अरबों संपत्ति छोड़ गई हैं। दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के आभूषणों के सबसे बेशकीमती टुकड़ों में से एक प्रतिष्ठित प्लैटिनम हार है, जो लगभग 300 हीरों से जड़ा हुआ है। यह उन्हें 1947 में हैदराबाद के निजाम ने शादी के उपहार के रूप में दिया था। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय फरवरी 1952 में राजगद्दी पर बैठी थीं। 8 सितंबर 2022 को 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अपने 70 वर्ष के शासनकाल में उन्हें अनेक रत्न प्राप्त हुए। आभूषणों के सबसे प्रसिद्ध टुकड़ों में से एक फ्रांसीसी लक्जरी ब्रांड कार्टियर द्वारा बनाया गया 300 हीरों से जड़ित प्लैटिनम हार सेट है।

मुझे यहां से बाहर निकालो... खटमल-मक्खियों से भरी बैरक

-कभी नवाज शरीफ भी थे बंद, जानें क्या है अटक जेल का इतिहास जहां इमरान को रखा गया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी पाए जाने के बाद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री को रविवार को पंजाब प्रांत की जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। 70 वर्षीय इमरान को इस्लामाबाद ट्रायल कोर्ट द्वारा तोशखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के तुरंत बाद शनिवार को लाहौर में उनके ज़मान पार्क स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले में आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख ने तोशखाना से अपने पास रखे गए उपहारों का विवरण जानबूझकर छुपाया। अब आए दिन पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ आरोप लगा रही है कि जेल में इमरान के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। आइए अटक जेल, उसके इतिहास और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ क्या आरोप लगा रहा है, उस पर करीब से नज़र डालते हैं।

अटक जेल और उसका किला

अटक शहर सिंधु नदी के तट पर स्थित है, खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत ऐतिहासिक नदी के विपरीत तट पर स्थित है। यह ग्रैंड ट्रंक रोड के किनारे पंजाब प्रांत का आखिरी प्रमुख शहर भी है। डेली ओ के अनुसार, 19वीं शताब्दी के दौरान ब्रिटिश सेना के कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल कॉलिन कैंपबेल के नाम पर शहर का नाम पहले कैंपबेलपुर था। अलेक्जेंडर द ग्रेट और इब्न-ए-बतूता कुछ ऐतिहासिक शख्सियत हैं जो अपनी यात्रा के दौरान अटक शहर में रुके थे। जियोटीवी के अनुसार, जेल 67 एकड़, छह कनाल और 12 मरला में बनाई गई थी। पंजाब जेल विभाग की वेबसाइट पर जेल की इमारत 17 एकड़ मापी गई है। जेल कॉलोनी स्वयं 26 एकड़, दो कनाल और 12 मरला में फैली हुई है, जबकि इसकी कृषि भूमि 22 एकड़ और चार कनाल में फैली हुई है। दो एकड़ बंजर जमीन और है। यह जेल वर्तमान में पंजाब प्रांत में संचालित 40 जेलों में से एक है। हालाँकि इसे 539 कैदियों को रखने के लिए बनाया गया है, लेकिन वर्तमान में यह अत्यधिक भीड़भाड़ वाला है - इसमें कम से कम 804 कैदी हैं।

नवाज शरीफ को भी रखा जा चुका है

पूर्व राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ द्वारा उनकी सरकार को गिराने के बाद गिरफ्तारी के बाद पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ को शुरू में अटक जेल में रखा गया था। डेली ओ के अनुसार, अटक जेल में मेजर नादिर परवेज़ भी थे। परवेज़ एक सैन्य अधिकारी थे जिन पर जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार को उखाड़ फेंकने का आरोप था। बाद में उन्होंने नवाज शासन में सेवा की। आसिफ अली जरदारी और शहबाज शरीफ को भी भ्रष्टाचार के आरोप में अटक में हिरासत में लिया गया था। हालाँकि, जब इमरान अटक जेल में बंद हैं, तो अन्य नेताओं को पास के अटक किले में भेज दिया गया। जियो टीवी के मुताबिक, अटॉक किला जंगल के बीच बनाया गया है।

मुझे यहां से बाहर निकालो

जियो न्यूज ने खान और उनके वकील के बीच मुलाकात की जानकारी रखने वाले अटक जेल के सूत्रों के हवाले से कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष ने अपनी कानूनी टीम से कहा है कि वह जेल में नहीं रहना चाहते हैं। मुझे यहाँ से बाहर ले चलो, मैं जेल में नहीं रहना चाहता।

भूस्खलन के कारण अमरनाथ यात्रा हुई रद्द, पवित्र गुफा के नहीं होंगे दर्शन

जम्मू । राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन होने से अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण रास्ता बंद हो गया है, जिसके चलते जम्मू से श्रीनगर तक अमरनाथ की पवित्र गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा बुधवार को निलंबित कर दी गई। इस बीच, पंथा चौक यात्रा भी स्थगित रहेगी। बताया हा रहा है ?कि जम्मू के लिए आधार शिविर और यातायात की आवाजाही के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग साफ होने के बाद इसे फिर से शुरू किया जाएगा। जम्मू और कश्मीर यातायात पुलिस ने कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अ2 मरोग रामबन में भूस्खलन के कारण अवरुद्ध है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे टीसीयू (यातायात नियंत्रण इकाई) से पुष्टि के बिना एनएच-44 पर यात्रा न करें। इससे पहले, जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और जम्मू के मंडलायुक्त ने शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह और शुरू होने वाली बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने मंडलायुक्त जम्मू रमेश कुमार और डीआइजी राजौरी पुंछ रेंज हसीब मुगल के साथ पुलिस और नागरिक प्रशासन के साथ एक सुरक्षा समीक्षा बैठक बुलाई और सुरक्षा परिदृश्य का जायजा लिया। इस दौरान एडीजीपी जम्मू और मंडलायुक्त को एसएसपी पुंछ विनय कुमार और डीसी पुंछ यासीन मोहम्मद चौधरी ने सुरक्षा और अन्य संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी दी। बाद में, एडीजीपी जम्मू और मंडलायुक्त ने पुंछ के नागरिक समाज के सदस्यों के साथ एक बैठक बुलाई। इस बैठक में प्रमुख वकीलों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह के सुचारू संचालन और यात्रा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी सहयोग से अवगत कराया।

अतीक की पत्नी शाइस्ता के बाद गुड्डू मुस्लिम भी भगोड़ा घोषित, संपत्ति कुर्क होगी

-पुलिस ने पुश्तैनी मकान पर पहुंचकर लोगों को मुनादी कराकर दी जानकारी, नोटिस चिपकाया

प्रयागराज । उमेश पाल हत्याकांड में शामिल आरोपी बमबाज गुड्डू मुस्लिम को पुलिस ने भगोड़ा घोषित कर दिया है। उसके पुश्तैनी घर पहुंचकर पुलिस ने पहले तो डुगडुगी बजाकर मुनादी कराई, इसके बाद उसके घर पर नोटिस चस्पा कर दिया। अब उसकी संपत्ति भी कुर्क की जाएगी। बतादें कि बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह अधिवक्ता उमेश पाल व दो सरकारी गनर शूटआउट के आरोपी बमबाज गुड्डू मुस्लिम को भगोड़ा घोषित कर दिया। इसके पहले माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को भी भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। इस संबन्ध में पुलिस ने मंगलवार को बमबाज गुड्डू मुस्लिम को भी भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई की। धूमनगंज थाना पुलिस ने स्पेशल जज एससी-एसटी कोर्ट से धारा 82 की नोटिस इश्यू करने के बाद शूटर बमबाज गुड्डू मुस्लिम को भगोड़ा घोषित किया। इस दौरान धूमनगंज थाना पुलिस के साथ ही शिवकुटी थाना पुलिस लाला सरैया मोहल्ले में पहुंची जहां पर बमबाज गुड्डू मुस्लिम का पुश्तैनी मकान है। इंस्पेक्टर धूमनगंज राजेश मौर्या ने धारा 82 का नोटिस चस्पा किया। इसके बाद उन्होंने लाउडस्पीकर से बमबाज गुड्डू मुस्लिम को भगोड़ा घोषित करने की उद्घोषणा की। इस मौके पर डुगडुगी बजाकर मुनादी भी कराई गई, ताकि मोहल्ले में आस-पड़ोस रहने वाले लोगों को भी जानकारी मिल सके। गौरतलब है कि उमेश पाल शूटआउट केस में नामजद बमबाज गुड्डू मुस्लिम पांच माह से भी ज्यादा समय से फरार चल रहा है। उस पर पांच लाख का इनाम घोषित है, जिसकी तलाश में यूपी एसटीएफ और पुलिस की कई टीम में लगी हुई हैं, लेकिन अब तक बमबाज गुड्डू मुस्लिम पुलिस टीमों के हाथ नहीं आया है। हालांकि उमेश पाल शूटआउट के बाद बमबाज गुड्डू मुस्लिम अतीक अहमद की बहन आयशा नूरी के घर मेरठ गया था। मेरठ में कुछ घंटे ठहरने के बाद आर्थिक मदद लेकर वह फरार हो गया था। उसके बाद गुड्डू मुस्लिम की लोकेशन उड़ीसा, झारखंड, कोलकाता, नागपुर और गोवा समेत कई अन्य शहरों में मिली थी, लेकिन जांच एजेंसियों को कामयाबी नहीं मिल सकी।

फेक न्यूज चलाने वाले आठ यूट्यूब चैनलों पर सरकार ने लगाई बंदिश

नई दिल्ली । फर्जी और संदेहास्पद खबरें चलाने वाले आठ यूट्यूब चैनलों पर सरकार ने बंदिश लगा दी है। हालांकि इसके पहले पीआईबी ने फैक्टचेक किया था, जिसमें खबरें झूटी निकली। इस संबन्ध में सरकार ने कहा कि उसने 8 फेक यूट्यूब चैनल का 'भंडाफोड़' किया है, जो समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने की घोषणा और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर पाबंदी लगाए जाने जैसी फर्जी खबरें फैलाने में संलिप्त थे। अधिकारियों ने बताया कि यहां सच देखो, कैप्टिल टीवी, केवीएस न्यूज, सरकारी ब्लॉग, अर्न टेक इंडिया, एसपीएन9 न्यूज, एजुकेशनल दोस्त और वर्ल्ड बेस्ट न्यूज पर मौजूद वीडियो को पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने फर्जी खबरें फैलाने के लिए 'फैक्टचेक' (तथ्यों की पड़ताल) किया। अधिकारियों ने बताया कि वर्ल्ड बेस्ट न्यूज यूट्यूब चैनल के 17 लाख सब्सक्राइबर हैं और इसे 18 करोड़ बार देखा गया है और पाया गया कि यह भारतीय थलसेना के बारे में गलत सूचना फैला रहा था। उन्होंने कहा कि अन्य चैनल एजुकेशनल दोस्त के 34.3 लाख से अधिक सब्सक्राइबर और 23 करोड़ 'व्यूज' के साथ, सरकारी योजनाओं के बारे में गलत जानकारी फैला रहा था, जबकि 48 लाख से अधिक सब्सक्राइबर और 189 करोड़ 'व्यूज' के साथ एसपीएन9 न्यूज राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कई केंद्रीय मंत्रियों के बारे में फर्जी खबरें फैला रहा था। अधिकारियों ने बताया कि 45 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर और 9.4 करोड़ से ज्यादा 'व्यूज' वाला चैनल सरकारी ब्लॉग, सरकारी योजनाओं के बारे में फर्जी खबरें फैलाता पाया गया।

पीएम मोदी को बम से उड़ा देंगे, देश में बम विस्फोट करेंगे, पुणे में एक शख्स को ई-मेल के जरिए दी गई धमकी

पुणे। पिछले कुछ दिनों में लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं. इसी तरह पुणे में एक शख्स को विदेश से धमकी भरा ई-मेल मिला है. जिसमें भारत में जगह-जगह बम धमाके करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार पुणे में एक शख्स को विदेश से एक ई-मेल मिला है. सोशल मीडिया पर एक शख्स ने विदेश से ई-मेल करके यह धमकी दी थी. धमकी देने वाले का नाम एम. ए. मोखीम है. शख्स ने कहा, मैं कई आतंकवादी संगठनों को फंड देता हूं, देश से हिंदू महिलाओं और हिंदुओं को खत्म करने की कोशिश कर रहा हूँ। जिस व्यक्ति को यह ई-मेल प्राप्त हुआ, उसने पुणे शहर पुलिस के नियंत्रण कक्ष को सूचित किया और पुलिस में मामला दर्ज कराया। एक तरफ जहां पुलिस ने पुणे में आतंकी संगठन से जुड़े लोगों को हिरासत में लिया है, वहीं अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेश से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है. इस संबंध में अलंकार पुलिस थाना में मामला दर्ज कराया गया है.

बिहार और नेपाल में हो रही मूसलाधार बारिश, बाढ़ का खतरा मंडराया

पटना । बिहार व नेपाल के कई जिलों में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण यहां बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जानकारी के अनुसार इन दोनों जगह पर हो रही बारिश से राज्य की प्रमुख नदियों के जलस्तर में वृद्धि हुई है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। बताया जा रहा है कि राज्य में बागमती, कोसी, कमला बालान जैसी नदियां उफान पर हैं। इससे उत्तर बिहार में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। इसी तरह पटना में भी गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। इधर, मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के मुताबिक, गंडक नदी पर बने बाल्मिकीनगर बराज पर जलस्तर बुधवार की सुबह 6 बजे 2.86 लाख क्यूसेक था। कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है। कोसी नदी पर बने वीरपुर बराज में कोसी का जलस्तर सुबह छह बजे 1.94 लाख क्यूसेक था जो आठ बजे बढ़कर 1.95 लाख क्यूसेक पहुंच गया। नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से बिहार में गंगा, बागमती, कमला, गंडक नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। सीतामढ़ी में निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है। पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज जिले में तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी गई है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मुताबिक, बागमती नदी ढेंग, सोनाखान, डूबाधार, बेनीबाद सहित कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

राहुल गांधी की फ्लाइंग किस पर बवाल स्मृति ईरानी के आरोप के बाद स्पीकर तक पहुंचा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एक विवाद खड़ा हो गया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा से बाहर जाते हुए अभद्र इशारा किया, जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। स्मृति का आरोप था कि संसद में जब महिला सांसद बैठी हुई थीं तब कोई इस तरह फ्लाइंग किस का इशारा करके जाए तो यह काफी अभद्र है। स्मृति ईरानी के बयान के बाद राहुल गांधी से जुड़ा ये मामला काफी बड़ा हो गया है। करीब 22 महिला सांसदों ने स्पीकर ओम बिड़ला को चिट्ठी लिखी है और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की है। बीजेपी सांसद पूनम महाजन ने राहुल को बर्खास्त करने की अपील की है, जबकि रीता बहुगुणा जोशी का आरोप है कि राहुल ने ट्रेजरी बेंच की ओर फ्लाइंग किस किया था। सदन से बाहर निकलने के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी कहा कि हमने आज तक सुना था कि ऐसा सिर्फ सड़कों पर होता है, लेकिन अब ऐसा संसद में भी हो रहा है जो कि काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी का आचरण बेशर्मी की पराकाष्ठा है। अपने संबोधन में स्मृति ईरानी ने कहा कि एक बात पर मैं आपत्ति जताना चाहती हूं। जिनको आज मुझसे पहले वक्तव्य देने का अधिकार दिया गया, उन्होंने जाते-जाते अभद्र लक्षण के दर्शन दिए। जब सदन में महिला सांसद बैठी हुई हैं, उस वक्त फ्लाइंग किस का इशारा किया गया। ऐसे गरिमा विहीन आचरण को सदन में कभी नहीं देखा गया। स्मृति ईरानी ने तीखा हमला करते हुए कहा कि ये उस खानदान के लक्षण हैं, जिसे आज देश ने भी देख लिया है। केंद्रीय मंत्री के इस आरोप के बाद सदन में हंगामा हुआ, इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को अविश्वास प्रस्ताव के दूसरे दिन सदन में चर्चा की शुरुआत की। करीब आधे घंटे के भाषण में राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा, राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मणिपुर में हिन्दुस्तान की हत्या की है ये भारत माता का मर्डर है। राहुल के आरोपों पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। जवाब में स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी को जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मसले पर घेरा। स्मृति ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लोग जम्मू-कश्मीर में रेफरेंडम की बात करते हैं, साथ ही घोटालों पर चुप्पी साधते हैं ऐसे में राहुल गांधी इनपर क्यों नहीं बोलते हैं।

यूपी में जातीय जनगणना का मायावती कर रहीं इंतजार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती यूपी में जातीय जनगणना का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा कराई जा रही जातीय जनगणना को पटना हाईकोर्ट ने पूर्णतया वैध ठहराया है। अब सबकी निगाहें यूपी पर टिकी हैं कि यहां यह प्रक्रिया कब शुरू होगी। मायावती ने बुधवार को ट्वीट के माध्यम से लिखा कि ओबीसी समाज की आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक स्थिति का सही आकलन कर उसके हिसाब से विकास योजना बनाने के लिए बिहार सरकार द्वारा कराई जा रही जातीय जनगणना को पटना हाईकोर्ट ने पूर्णतया वैध ठहराया है। अब सबकी निगाहें यूपी पर टिकी हैं कि यहां यह प्रक्रिया कब शुरू होगी। बसपा सुप्रीमों मायावती ने लिखा कि देश के कई राज्यों में जातीय जनगणना के बाद यूपी में भी इसे कराने की मांग लगातार ज़ोर पकड़ रही है, किन्तु वर्तमान बीजेपी सरकार भी इसके लिए तैयार नहीं लगती है, यह अति-चिन्तनीय है। उन्होंने कहा कि बीएसपी की मांग केवल यूपी में नहीं बल्कि केन्द्र को राष्ट्रीय स्तर पर भी जातीय जनगणना करानी चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने कहा कि देश में जातीय जनगणना का मुद्दा, मण्डल आयोग की सिफारिश को लागू करने की तरह, राजनीति का नहीं बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा महत्वपूर्ण मामला है। इससे समाज के गरीब, कमजोर, उपेक्षित व शोषित लोगों को देश के विकास में उचित भागीदार बनाया जा सकेगा और उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए ऐसी गणना आज के समय में जरूरी भी है।

पुलिस और असम राइफल्स के बीच तकरार जारी, भाजपा भी विरोध में उतरी

-उग्रवादियों को भर्ती करने का पुलिस ने लगाया आरोप, उपद्रवियों की हो रही मदद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादियों को असम रायफल्स द्वारा मदद की जा रही है। यही वजह है कि अब असम में पुलिस और असम राइफल्स के बीच तकरार बढ़ती ही जा रही है। वहीं भाजपा ने भी असम रायफल्स को हटाने के लिए पीएम मोदी को पत्र लिखा है। इधर मणिपुर पुलिस ने 9 असम राइफल्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का आरोप है कि असम राइफल्स में उग्रवादियों को शामिल कर लिया गया है और अब वे पुलिस के काम में टांग अड़ाते हैं। वहीं अब मणिपुर भाजपा ने भी असम राइफल्स को हटाने के लिए प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। बता दें कि विष्णुपुर के क्राता में हिंसा भड़क गई थी और तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने कुकी हमलावरों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस ने आरोप लगाया कि अभियान के दौरान असम राइफल्स ने बाधा डाली और उनके वाहनों को रोका। पुलिस के ऑपरेशन के दौरान असम राइफल्स ने बीच में अपने वाहन खड़े क दिये। इसके बाद कुकी उग्रवादी भाग निकले और उन्हें पकड़ा नहीं जा सका। इसी मामले को लेकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

बता दें कि अभी कुछ दिन पहले ही पुलिस और असम राइफल्स के जवान के बीच बहस का वीडियो भी वायरल हुआ था। पुलिसकर्मी कह रहा था कि असम राइफल्स उनके काम में बाधा डाल रही है। वहीं जवान ने कहा कि वह केवल अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। इधर असम राइफल्स के खिलाफ मणिपुर भाजपा ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि मणिपुर से पूरी तरह असम राइफल्स को हटा लिया जाए। उसकी जगह किसी और बल को तैनात किया जाए क्योंकि असम राइफल्स निष्पक्षता बनाने में नाकाम रही है। ज्ञापन में कहा गया कि हिंसा शुरू होने के पहले दिन से ही असम राइफल्स का रवैया गलत रहा है और यह शांति स्थापित नहीं कर पाई है। इसके चलते जनता में भी असम राइफल्स के प्रति गुस्सा है। महिलाओं ने इंफाल में कई जगह पर प्रदर्शन किए और असम राइफल्स को हटाने की मांग की।

हालांकि इसके बाद तुरंत फैसला लेकर बिष्णुपुर के चेक पोस्ट से असम राइफल्स को हटा दिया गया। उधर आर्मी ने कहा कि मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा देने वाले किसी भी प्रयास को रोकने के लिए कार्रवाई में वह और असम राइफल्स दृढ़ रहेंगे। सेना की स्पीयर कोर ने ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि असम राइफल्स की छवि धूमिल करने के लिए मनगढ़ंत प्रयास किए गए हैं, जो जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति बहाल करने में लगी हुई है। तीन मई से मणिपुर में लोगों की जान बचाने और शांति बहाल करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, ले?किन केंद्रीय सुरक्षा बलों, विशेष रूप से असम राइफल्स की भूमिका, इरादे पर सवाल उठाने के बार-बार और असफल प्रयास किए हैं।

बड़ी संख्या में नशेड़ियों ने शामिल होकर नूंह में हिंसा को दिया अंजाम

- पुलिस को मिला नशा कनेक्शन, दंगाइयों की गिरफ्तारी पर सच आया सामने

नूंह (एजेंसी)। पुलिस को जांच में नशेड़ियों के नूंह हिंसा में शामिल होने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। गिरफ्तार हुए नशेड़ियों व तस्करों की भूमिका की बात सामने आने पर अब और भी कनेक्शन तलाशे जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि हिंसा में साइबर अपराधियों के अलावा सक्रिय नशा तस्कर भी काफी संख्या में शामिल हुए। उन्होंने यहां पर जमकर उत्पात मचाया। नतीजन 31 जुलाई को छह घंटे तक नूंह जलता रहा। इसमें छह लोगों की मौत हुई और 88 घायल हुए। पुलिस अब हिंसा में शामिल आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार हिंसा में शामिल 156 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया चुका है। इनमें से 50 के आसपास नशेड़ी व तस्कर बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार अधिकांश आरोपियों की उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच है। इनमें से अधिकांश नशा करने के आदि हैं। साथ ही ये लोग नशे सामानों की तस्करी भी करते हैं। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ में कई आरोपियों ने कबूला है कि हिंसा के दौरान उन्होंने नशा किया था। नशे की हालत में भड़काऊ वीडियो देखने से वह उत्तेजित हो गए। वह गांव व आसपास के युवाओं के बहकावे में आ गए। उनके कहने पर हिंसा में शामिल हुए।

पुलिस द्वारा पूछताछ में गिरफ्तार युवाओं ने यह भी बताया कि हिंसा में शामिल होने से चंद मिनट पहले उन्हें शराब, गांजा, स्मैक आदि नशा करने के लिए दिया गया। इससे उनका आवेश और बढ़ा। सूत्रों के अनुसार नूंह में नशा तस्करी का कारोबार काफी बड़ा हुआ है। राजस्थान से सटा होने व अरावली की ओट में होने के चतले नशा तस्कर नशीले पदार्थों की सप्लाई करते हैं। बीते कुछ दिनों में उनके खिलाफ पुलिस की कार्रवाई बढ़ गई। पुलिस लगातार तस्करों को गिरफ्तार कर रही थी। लिहाजा पुलिस के खिलाफ वह हिंसा में शामिल हुए और आगजनी की। सूत्रों बताते हैं कि पुलिस की गिरफ्त में भी कई आरोपी नशे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि नशे के आदी हैं। ऐसे में नशा नहीं करने पर उनकी तबीयत बिगड़ सकती है। आरोपी पुलिस पूछताछ में तरह-तरह के बहाने बना रहे हैं।

जज भी दें अपनी संपत्ति का ब्योराः संसदीय समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की एक स्थायी समिति ने कहा है कि सांसदों और विधायकों के तरह ही न्यायाधीशों को भी अपनी संपत्ति का ब्योरा देना चाहिये। कार्मिक, लोक शिकायत, कानून एवं न्याय विभाग से संबंधित इस संसदीय स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में 'न्यायिक प्रक्रियाएं और उनमें सुधार' में कहा कि एक सामान्य प्रथा के तहत , सभी संवैधानिक पदाधिकारियों और सरकारी सेवकों को अपनी संपत्ति और देनदारियों का वार्षिक ब्योरा दाखिल करना चाहिए। सांसद सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता वाली इस स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'सुप्रीम कोर्ट मानता है कि जनता को सांसद या विधायक के रूप में चुनाव लड़ने वालों की संपत्ति जानने का अधिकार है। जब ऐसा है, तो यह तर्क सही नहीं है कि न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति और देनदारियों का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। सार्वजनिक पद पर आसीन और सरकारी खजाने से वेतन पाने वाले किसी भी व्यक्ति को अनिवार्य रूप से अपनी संपत्ति का वार्षिक रिटर्न दाखिल करना चाहिए।' केंद्र सरकार ने इस संसदीय पैनल को बताया कि संपत्तियों की नियमित फाइलिंग और उन्हें सार्वजनिक डोमेन में अपलोड करने के लिए तंत्र को संस्थागत बनाने की आवश्यकता है। वहीं सर्वोच्च न्यायालय की संपूर्ण पीठ द्वारा 1997 में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के प्रत्येक न्यायाधीश के लिए नियुक्ति के समय और उसके बाद हर साल की शुरुआत में अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा करना अनिवार्य रहेगा। सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण पीठ ने 2009 में पूरी तरह से स्वैच्छिक आधार पर, संपत्ति की घोषणा को सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर डालने का संकल्प लिया था। न्यायाधीशों की संपत्ति और देनदारियों की घोषणा करने और न्यायाधीशों द्वारा पालन किए जाने वाले न्यायिक मानकों को निर्धारित करने में सक्षम 'न्यायिक मानक और जवाबदेही विधेयक' 15वीं लोकसभा के साथ ही समाप्त हो गया था. संसद की स्थायी समिति ने केंद्र सरकार को उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के लिए उचित प्राधिकारी को वार्षिक आधार पर अपनी संपत्ति रिटर्न प्रस्तुत करना अनिवार्य बनाने के लिए उचित कानून लाने की सिफारिश की है।

चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग हुई नहीं कि रूस का मून मिशन लूना-25 तैयार

-दोनों के हैं अलग-अलग रास्ते, चांद पर पहले कदम रखने की लगी होड़

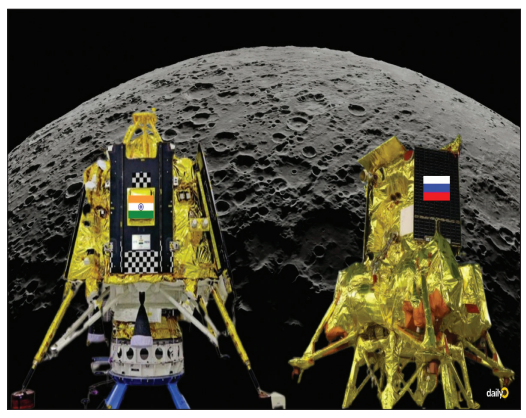

नई दिल्ली (एजेंसी)। । भारत के चंद्रयान 3 की सॉफ्ट लैंडिंग अभी हुई भी नहीं कि रूस अपना मून मिशन लूना -25 लांच करने वाला है। लगभग 50 साल के अंतराल के बाद रूस 11 अगस्त को मून मिशन शुरू करने वाला है। वह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर रोवर उतारने वाला पहला देश बनने की दौड़ में शामिल होने की योजना बना रहा है। जानकारी के अनुसार चंद्रमा के साउथ पोल पर पानी का एक संभावित स्रोत पाए जाने की उम्मीद लंबे समय से वैज्ञानिकों को है। जो वहां भविष्य में मानव के रहने के लिए जरूरी है। इस दिशा में खोज के लिए भारत अपने चंद्रयान-3 के साथ आगे बढ़ चुका है, जिसे 14 जुलाई को लॉन्च किया गया था। मगर सवाल यह है कि क्या रूस का मिशन भारत के चंद्रयान से पहले चांद के साउथ पोल पर उतरने की कोशिश है? भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने कहा है कि वह 23 अगस्त के आसपास चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग करने की योजना बना रहे हैं। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने कहा कि उसके लूना-25 अंतरिक्ष यान को चंद्रमा तक उड़ान भरने में पांच दिन लगेंगे। फिर उसके दक्षिणी ध्रुव के पास संभावित लैंडिंग की तीन जगहों में से एक पर उतरने से पहले लूना-25 चांद की कक्षा में 5-7 दिन बिताएगा। टाइम टेबल के अनुसार लूना-25 चंद्रमा की सतह पर उतरने में चंद्रयान-3 की बराबरी कर सकता है।

वैज्ञानिकों की मानें तो उबड़-खाबड़ इलाका होने से चांद के साउथ पोल पर उतरना मुश्किल हो जाता है। मगर दक्षिणी ध्रुव एक बेशकीमती जगह है। क्योंकि वैज्ञानिकों का मानना है कि वहां काफी मात्रा में बर्फ मौजूद हो सकती है। जिसका इस्तेमाल ईंधन और ऑक्सीजन निकालने के साथ-साथ पीने के पानी के लिए भी किया जा सकता है। रोस्कोस्मोस ने कहा कि दोनों मिशन एक-दूसरे के रास्ते में नहीं आएंगे क्योंकि उन्होंने अलग-अलग इलाकों में लैंडिंग की योजना बनाई है। रोस्कोस्मोस के बयान में कहा गया कि 'ऐसा कोई खतरा नहीं है कि दोनों अंतरिक्ष यान एक-दूसरे के रास्ते में आएं या टकराएं। चंद्रमा पर सभी के लिए पर्याप्त जगह है।

बता दें कि चंद्रयान-3 को दो हफ्ते तक प्रयोग चलाने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि लूना-25 चंद्रमा पर एक साल तक काम करेगा। 1.8 टन के द्रव्यमान और 31 किलोग्राम (68 पाउंड) वैज्ञानिक उपकरण ले जाने के साथ लूना-25 जमे हुए पानी की मौजूदगी का परीक्षण करने के लिए 15 सेमी. (6 इंच) की गहराई से चट्टान के नमूने लेने के लिए एक स्कूप का उपयोग करेगा। जो चंद्रमा पर मानव जीवन को संभव बना सकता है। मूल रूप से अक्टूबर 2021 में लॉन्च किए जाने वाले लूना-25 मिशन में लगभग दो साल की देरी हुई है।

बेहतर सैलरी व सुख-सुविधाओं के चलते विदेशों में ही बस जाते हैं ज्यादातर भारतीय

-लोकसभा में दी जानकारी, साल 2022 में 3,73,434 भारतीयों का इमिग्रेशन क्लियरेंस हुआ जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत भले ही लगातार तरक्की करता जा रहा है, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में भारतीय दूसरे देशों में अपने अच्छे भविष्य की तलाश में जा रहे हैं। लेकिन ताज्जुब तो इस बात का है कि वे वहीं बस जा रहे हैं। इसकी वजह बेहतर सैलरी व आधुनिक सुख- सुविधाओं की उपलब्धता है। हालांकि विदेश में पढ़ाई के लिए जाने वाले विद्यार्थियों के साथ ही नौकरी के लिए विदेश जाने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है। लाखों की संख्या में भारतीय देश छोड़कर विदेशों का रुख कर रहे हैं। 14 मार्च को लोकसभा में पेश किए गए दस्तावेज़ में कहा गया है साल 2022 में इमिग्रेशन एक्ट, 1983 के तहत 3,73,434 भारतीयों का इमिग्रेशन क्लियरेंस जारी किया गया, जिनमें से 10,654 लोग पंजाब से थे। भारत में अच्छी नौकरी के साथ ही तनख्वाह की भी समस्या लोगों के सामने खड़ी हो जाती है। युवाओं को अपनी काबिलियत के हिसाब उनकी सैलरी कम लगती है। लोगों उतनें पैसे नहीं मिल पाते जिससे अच्छी तरीके से गुजारा हो सके। जिसके चलते लोग विदेशों का रुख करने लगते हैं। जानकारों की मानें तो ज्यादातर भारतीय बेहतर सैलरी के लिए विदेशों में जाते हैं। लोगों का मानना है कि विदेशों में भारत की तुलना में काम करने का माहौल अच्छा है और जितना आप काम करते हैं उस हिसाब से पैसे भी अच्छे मिलते हैं इसलिए वह भारत वापस नहीं जाना चाहते। दुनिया में सबसे अधिक एवरेज मंथली नेट सैलरी स्विट्जरलैंड में है। यहां औसत मासिक शुद्ध सैलरी 6,096 डॉलर (4,98,652 रुपये) है। सिंगापुर में औसत मंथली नेट सैलरी 4989 डॉलर (4,08,100 रुपये) है। यूएसए की बात करें, तो यहां मंथली सैलरी 4245 डॉलर (3,47,241) रुपये है। लाखों भारतीयों की ख्वाहिश अमेरिका जाने की होती है। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण है, वहां जरूरत की सभी सुविधाओं का उपलब्ध होना। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 46 लाख से अधिक इंडियन अमेरिका में रहते हैं। दूसरे नंबर पर संयुक्त अरब अमीरात है, जहां भारत के 31.5 लाख लोग रहते हैं। तीसरे नंबर पर है मलेशिया, जहां लगभग 30 लाख इंडियन रहते हैं। बता दें कि इमिग्रेशन एक्ट, 1983, भारत के नागरिकों को विदेशों में रोजगार करने का अवसर प्रदान करता है। इस कानून के तहत 18 देशों में भारतीय को रोजगार के लिए इमिग्रेशन क्लियरेंस जारी किया जाता है। यह देश हैं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, इंडोनेशिया कतर, ओमान, कुवैत, बहरीन, मलेशिया, लीबिया, जॉर्डन, यमन, सूडान, दक्षिण सुडान, अफगानिस्तान, इंडोनेशिया, सीरिया, लेबनान और थाईलैंड आदि हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

शहर में फिर एक बार हिट एन्ड रन की घटना, 100 की स्पीड में कार ने ती वाहनों को मारी टक्कर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरातभर में पुलिस के मेगा ड्राइवर के बीच तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। अहमदाबाद में फिर एक बार हिट एन्ड रन की घटना सामने आई है। राहत की बात है इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई। घटना में एक महिला घायल हो गई और तीन वाहनों को नुकसान हुआ है। घटना अहमदाबाद के शेला गांव में आविष्कार होल चौराहे के निकट की है। जहां 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई हेरियर कार ने तीन वाहनों को टक्कर मार दी। इस घटना में एक महिला जख्मी हो गई, जबकि दो गाडिया बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। एक गाड़ी को सामान्य नुकसान हुआ है। हादसे के बाद घटना को अंजाम देने वाला कार चालक फरार हो गया। हांलाकि पुलिस ने हेरियर कार खोज ली है और फरार चालक की तलाश शुरू की है। गौरतलब है गत 19 जुलाई को तेज रफ्तार कार की चपेट में आए 10 लोगों की मौत हो गई थी। घटना अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज पर हुई थी, जिसमें तेज रफ्तार में आई जगुआर कार ने कई लोगों को उड़ा दिया था। जिसमें 9 लोगों की घटनास्थल पर और एक व्यक्ति की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना के वक्त कार चला रहे तथ्य पटेल फिलहाल जेल में है। पुलिस ने उसके खिलाफ सापराध मानव वध समेत कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया है और कोर्ट में चार्जशीट भी फाइल कर दी है।

स्पा की आड में चल रहे गोरखधंधे का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में,तीन गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोरबी, मोरबी के लखधीरपुर चौराहे के निकट शोपिंग सेंटर में स्पा की आड में चल रहे गोरखधंधे का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में पुलिस ने रेड कर तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही 3 महिलाओ को उनके चंगुल से मुक्त कराया। मोरबी के भाजपा विधायक कांति अमृतिया ने एक वीडियो वायरल किया था। जिसमें मोरबी के आसपास स्थित स्पा की आड़ में गोरखधंधा चलता होने का उल्लेख था। वीडियो सामने आने के बाद मोरबी पुलिस ने लखधीरपुर चौराहे के निकट शोपिंग सेंटर में चल रहे स्पा और मसाज पार्लर में रेड की। पुलिस ने स्पा चलाने वाले 29 वर्षीय विपुल रामआश्रय पांडे, 22 वर्षीय सागर मनसुख सारला और 32 वर्षीय जीवन बचु चावडा को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों में विपुल रामआश्रय पांडे उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है और वर्तमान में मोरबी के नवलखी रोड स्थित यमुनानगर रहता है। पुलिस ने घटनास्थल से तीन महिलाओं को मुक्त कराया है। पकड़े गए तीन आरोपियों में एक संचालक है और अन्य दो शख्सों को ग्राहक लाने के लिए रखा गया था।

स्पा की आड में देहव्यापार होता था। पुलिस ने घटनास्थल से रु 10650 नकद, 4 मोबाइल, 8 कोन्डोम समेत कुल रु 16150 का माल-सामान जब्त किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

मंत्री जी चरणामृत समझकर देशी शराब गटगटा गए, जमीन पर अभिषेक करने को दी गई थी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नर्मदा, विश्व आदिवासी दिवस गुजरातभर में मनाया जा रहा है। राज्य के कृषि मंत्री राघवजी पटेल नर्मदा जिले के डेडियापाडा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जहां देशी शराब को चरणामृत समझकर पी गए। राघवजी पटेल को यह शराब जमीन का अभिषेक करने के लिए दी गई थी। हांलाकि बाद में अपनी गलती को राघवजी पटेल ने स्वीकार कर लिया। दरअसल आदिवासी समाज की परंपरा के मुताबिक धरती माता को देशी शराब का अभिषेक किया जाता है। राघवजी पटेल को देशी शराब जमीन का अभिषेक करने के लिए दी गई थी। लेकिन राघवजी पटेल उसे चरणामृत समझकर गटगटा गए। बाद में राघवजी पटेल को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसे स्वीकार करते हुए कहा कि मुझे लगा चरणामृत दिया है। इसलिए मैंने उसे पी लिया। राघवजी पटेल ने कहा कि मुझे इस परंपरा के बारे में ज्यादा ज्ञान नहीं है। यहां के रीति-रिवाज से मैं अंजान हू। पहली बार यहां आया हूं। हमारे यहां हाथ में चरणामृत दिया जाता है, इसलिए मैंने चरणामृत समझकर उसे पी लिया। जबकि उसे धरती माता को अर्पण करना था। इसका मुझे पता नहीं था।

प्रसूति के दौरान महिला और बच्चे की मौत, परिवार ने लगाया गंभीर आरोप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के वटवा स्थित अस्पताल में प्रसूति के दौरान महिला और उसके बच्चे की मौत हो गई।

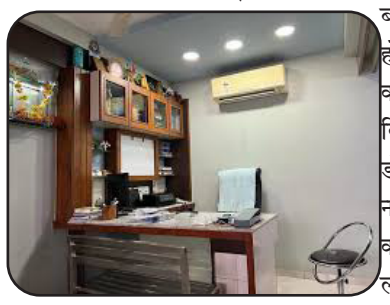

घटना के बाद मृतक महिला के परिवार ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के अहमदाबाद के वटवा स्थित काशीबा होस्पिटल की है। जहां गर्भवती महिला को प्रसूति के भर्ती कराया गया था। अस्पताल में प्रसूति के दौरान महिला और उसके बच्चे की मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि अस्पताल में डोक्टर के बगैर नर्स ने डिलीवरी कराई। नर्स की लापरवाही की वजह से महिला और उसके बच्चे की मौत हो गई।

लकड़ी की आड़ में ड्रग्स तस्करी का पर्दाफाश,10.4 करोड़ की कोकीन जब्त

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ, डिरोक्टोरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजंस (डीआरआई) ने गांधीधाम में ड्रग्स तस्करी का पर्दाफाश करते हुए रु 10.04 करोड़ कीमत की एक किलो कोकीन जब्त कर ली। बरामद की गई कोकीन लड़की आड में लाई गई थी। जानकारी के मुताबिक डीआरआई पुख्ता जानकारी मिली थी कि एक्वाडोर से आयात किए गए कुछ माल-सामान में नशीले पदार्थ होने की संभावना है। सूचना के आधार पर गत रात्रि गांधीधाम भचाऊ हाईवे स्थित एवी जोशी सीएसएफ में जांच शुरू की गई। यहां विदेश से कई कंटेनर आए थे। इन्हीं कंटेनरों में लकड़ी की आड में ड्रग्स लाया गया होने की आशंका के तहत जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कंटेनर में एक पैकेट बरामद हुआ। संदिग्ध पैकेट का सैंपल लेकर उसकी जांच की गई। टेस्ट में बरामद पैकेट में कोकीन होने का खुलासा हुआ। पैकेट में 1.04 किलो ग्राम कोकीन बरामद हुई है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत रु10.04 बताई गई है।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com